कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड

सागर रत्न

मार्च 2025

कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड COCHIN SHIPYARD LIMITED
HYI
600 Ton

गणतंत्र दिवस

REPUBLIC DAY

कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड

भारत सरकार का उद्यम

(एक मिनिरत्न अनुसूची 'ए' कंपनी)
पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय
पेरुमानूर पी ओ, कोच्ची- 15

सागर रत्न

हिंदी गृह पत्रिका

मार्च 2025

17 वाँ अंक

अनुक्रमणिका

1. अध्यक्षीय अभिभाषण....4
2. संपादकीय लेखनी से....5
3. राजभाषा समाचार....6
4. कंपनी समाचार....19
5. लेख....24
6. सुरक्षा जागरूकता....29
7. कविता....30
8. कहानी....34
9. लाजवाब ज़ायका....36
10. यात्रावृत्त....37
11. टिप्पणियां....44
12. बोलचाल की हिंदी....45
13. चित्र कला....46

संपादक मंडल

संरक्षक

श्री मधु एस नायर
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

संपादक

श्री सुबाष ए के
महाप्रबंधक
(मानव संसाधन व अध्ययन विकास)

संपादक सदस्य

श्रीमती सरिता जी
प्रबंधक (राजभाषा)

श्रीमती लिजा जी एस
सहायक प्रशासनिक अधिकारी (हिंदी)- वरिष्ठ ग्रेड

श्रीमती आतिरा आर एस
हिंदी टंकक

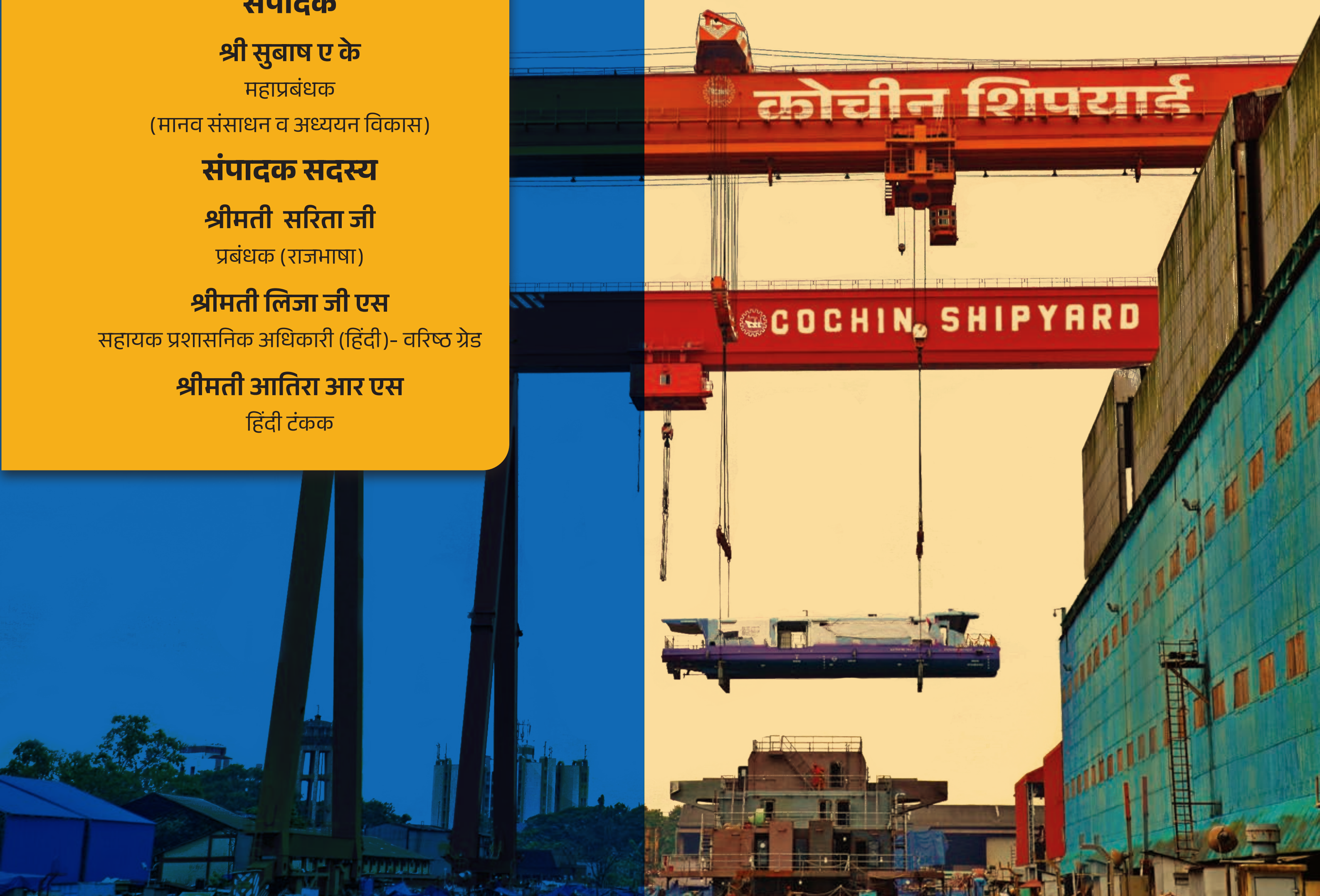

कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड
भारत सरकार का उद्यम
पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय

अध्यक्षीय अभिभाषण

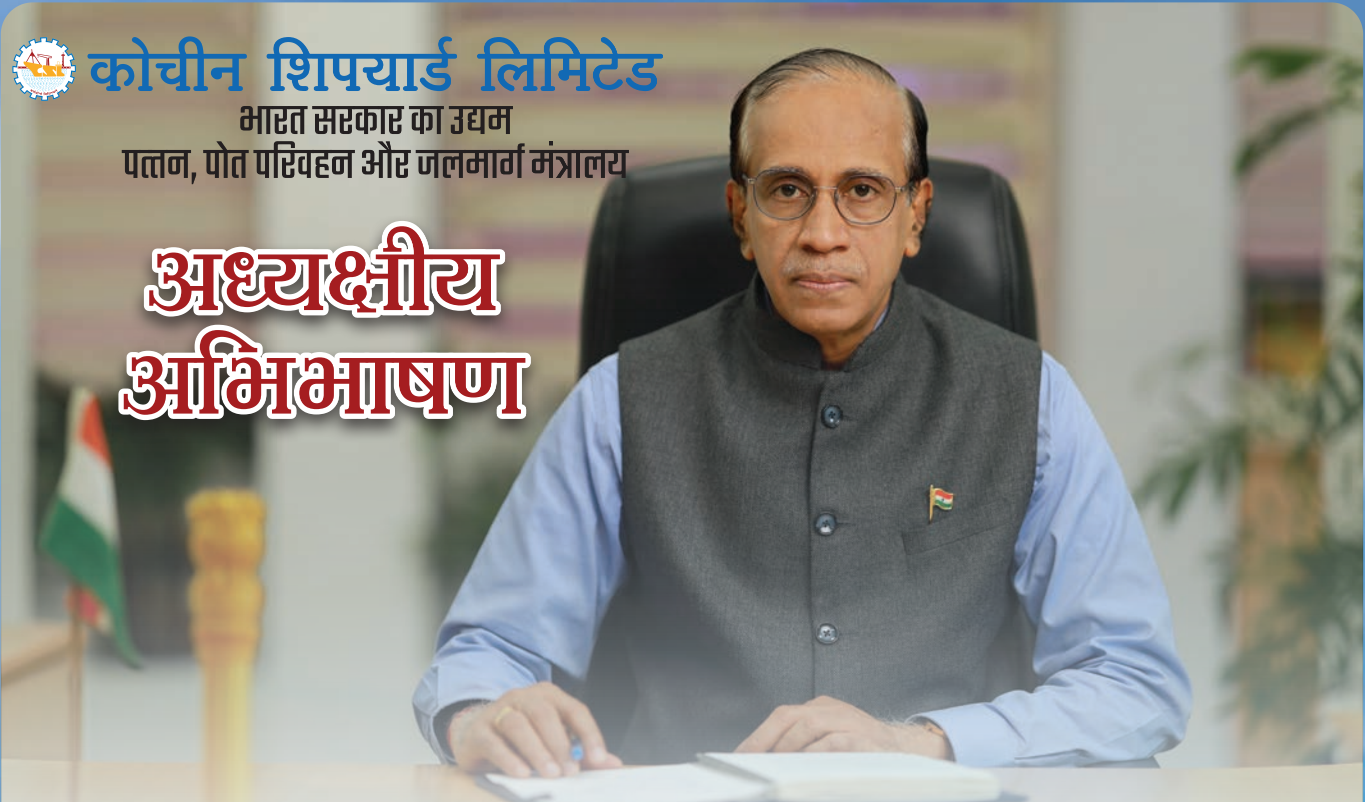

प्रिय पाठकों,

आप सभी को सागर रत्न हिंदी पत्रिका के 17 वें संस्करण के शुभ अवसर पर हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं। यह हमारी संस्था के लिए गर्व और खुशी का पल है कि हम एक और कदम सफलता और प्रेरणा की ओर बढ़ा रहे हैं। कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड ने अपनी स्थापना से लेकर आज तक उत्कृष्टता और गुणवत्ता के उच्चतम मानकों को अपनाया है। हम अपने नवाचार, सटीकता, और पर्यावरणीय जिम्मेदारी के प्रति समर्पित रहते हुए, देश की सामुद्रिक ताकत को सुदृढ़ करने में अपना योगदान दे रहे हैं। यह गर्व का विषय है कि हमारे समर्पित कर्मचारियों, ग्राहकों और साझेदारों के सतत प्रयासों ने कोचीन शिपयार्ड को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाया है। यह पत्रिका एक माध्यम है, जिसके द्वारा हम अपने कार्यों, परियोजनाओं और भविष्य के दृष्टिकोण को आप तक पहुंचाने का प्रयास कर रहे हैं ।

कोचीन शिपयार्ड की हिंदी गृह पत्रिका 'सागर रत्न' न केवल ज्ञान का आदान-प्रदान करती है, बल्कि विचारों, सांस्कृतिक धरोहरों और प्रेरणादायक कहानियों का एक संगम भी प्रस्तुत करती है। इस विशेष संस्करण में, हमने उन विषयों पर प्रकाश डाला है जो हमारे समाज, संस्कृति और आने वाली पीढ़ियों के लिए महत्वपूर्ण हैं। हमारा उद्देश्य हमेशा से ही उच्च गुणवत्ता वाली सामग्री प्रस्तुत करना रहा है, जो पाठकों को जानकारी देने के साथ-साथ उन्हें प्रेरित भी करें। यह आपकी सतत सहभागिता और समर्थन के बिना संभव नहीं था।

मैं सभी लेखकों, संपादकों और हमारी टीम के सदस्यों का आभार प्रकट करता हूँ जिन्होंने इस पत्रिका को इस स्तर तक पहुँचाने में योगदान दिया। साथ ही, मैं पाठकों का भी हृदय से धन्यवाद करता हूँ, जिनकी रुचि और प्रतिक्रिया हमें हर बार बेहतर करने के लिए प्रेरित करती है।

आशा है कि यह संस्करण आपके लिए प्रेरणादायक और ज्ञानवर्धक होगा एवं यह आपके दिल को प्रभावित करेगा।

हार्दिक शुभकामनाओं सहित ।

मधु एस नायर
मधु एस नायर
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

संपादकीय लेखनी से....

प्रिय पाठकों,

प्यार और विश्वास के साथ, हम आपको "सागर रत्न" के 17 वें संस्करण में हार्दिक स्वागत करते हैं। यह आपका अपना मंच है, जहां हम न केवल विचारों का आदान-प्रदान करते हैं, बल्कि नई प्रेरणाओं को जीवन का हिस्सा बनाने का प्रयास भी करते हैं।

इस बार के संस्करण में हमने विविध विषयों को शामिल किया है, जो समाज, संस्कृति, साहित्य और जीवन के अन्य पहलुओं पर आधारित हैं। यह अंक उन आवाज़ों को भी समर्पित है, जो सामान्यता से परे जाकर असाधारण कार्य कर रही हैं। आज के युग में, जब हर दिन नई चुनौतियाँ और अवसर लेकर आता है, हमारा प्रयास है कि हम आपके समक्ष विचारों का एक ऐसा मंच प्रस्तुत करें जो आपको सोचने और बेहतर कार्य करने के लिए प्रेरित करें।

पिछले 16 संस्करणों की सफलता आपकी सहभागिता और समर्थन के बिना संभव नहीं थी। आपसे प्राप्त प्रोत्साहन और सुझाव हमें नए विचारों को प्रस्तुत करने में प्रेरणा देते हैं।

आशा है कि इस अंक के लेख, कहानियाँ, कविताएँ और विचार आपको प्रेरित करेंगे और आपकी सोच को एक नया आयाम देंगे।

हम आपके अमूल्य विचारों और प्रतिक्रियाओं की प्रतीक्षा में हैं। आइए, इस यात्रा को और भी समृद्ध बनाएं।

शुभकामनाओं के साथ,

सुबाष ए के

सुबाष ए के
महाप्रबंधक (मानव संसाधन एवं अध्ययन विकास)

कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड के लिए राजभाषा कीर्ति पुरस्कार

भाषा कीर्ति पुरस्कार 2023-24
(सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के लिए)
तृतीय पुरस्कार
कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड

कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड को वर्ष 2023-24 के लिए 'ग' क्षेत्र में राजभाषा हिंदी के सर्वोत्तम कार्यान्वयन हेतु भारत सरकार के गृह मंत्रालय से सर्वोच्च राजभाषा कीर्ति पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। 14 सितंबर, 2024 को नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित हिंदी दिवस समारोह के अवसर पर श्रीमती सरिता जी, प्रबंधक (राजभाषा) ने श्री अजय कुमार मिश्रा, माननीय पूर्व गृह राज्य मंत्री से पुरस्कार ग्रहण किया। पूरे भारत में कोचीन शिपयार्ड ग-क्षेत्र में सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों में तीसरे स्थान पर रहा, और कोचीन शिपयार्ड चौथी बार यह पुरस्कार जीत रहा है।

गैर-हिंदी कर्मियों केलिए राजभाषा संगोष्ठी

हिंदी को राजभाषा घोषित करने के 75 वर्ष पूरा होने के उपलक्ष्य में राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार इस वर्ष हीरक जयंती के रूप में मना रहा है। इस सिलसिले में और साथ ही राजभाषा हिंदी की प्रगति की ओर अपनी प्रतिबद्धता के भाग के रूप में, कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड द्वारा दिनांक 22.11.2024 (शुक्रवार) को डॉल्फिन क्लब, कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड, कोच्ची में पूर्वाह्न 09.00 बजे से अपराह्न 04.30 बजे तक कोच्ची के तीनों (बैंक, केंद्र सरकार, सार्वजनिक उपक्रम) नगर राजभाषा कार्यान्वयन समितियों के गैर-हिंदी कर्मियों को सम्मिलित करके एक राजभाषा संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस संगोष्ठी का उद्देश्य गैर-हिंदी कर्मियों को हिंदी भाषा के प्रति जागरूक करना और उनके कार्यक्षेत्र में हिंदी का अधिकाधिक उपयोग सुनिश्चित करना था।

CIAL LANGUAGE SEMINAR
22.11.2024
"हिंदी से हम जुड़े, संस्कार से हम बढ़े ।"

संगोष्ठी का औपचारिक उद्घाटन डॉ. हरिकृष्णन एस, कार्यकारी निदेशक (पोत निर्माण), कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड के करकमलों से किया गया।संगोष्ठी में विशिष्ट अतिथिगण के रूप में पधारे श्री सुरेंद्रन वी, आईटीएस, प्रधान महाप्रबंधक, बीएसएनएल एवं अध्यक्ष नराकास (पीएसयू) और श्री अनिर्बान कुमार विश्वास, प्रभारी उप निदेशक (कार्यान्वयन), क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय, कोच्ची (गृह मंत्रालय, भारत सरकार) ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

संगोष्ठी का शुभारंभ श्रीमती कार्तिका एस नायर, उप प्रबंधक (वित्त) के ईश्वर वंदना के साथ हुआ। जो आगे चलकर श्री संपत्त कुमार पी एन, सलाहकार (सीएसआर) के स्वागत भाषण के साथ जारी रहा। तत्पश्चात कार्यक्रम के अध्यक्ष डॉ. हरिकृष्णन एस, कार्यकारी निदेशक (पोत निर्माण), श्री सुरेंद्रन वी आईटीएस, प्रधान महाप्रबंधक, बीएसएनएल एवं अध्यक्ष नराकास व श्री अनिर्बान कुमार विश्वास, प्रभारी उप निदेशक (कार्यान्वयन), क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय, कोच्ची और दोनों नराकास समितियों के सचिव मिलकर दीप प्रज्वलन करके कार्यक्रम को आगे बढ़ाया गया।

कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड
COCHIN SHIPYARD LIMITED
राजभाषा संगोष्ठी
OFFICIAL LANGUAGE SEMINAR
22.11.2024

अगला हमारे अध्यक्ष डॉ. हरिकृष्णन एस ने अपने अध्यक्षीय भाषण में देश में हिंदी के बढते प्रयोग ने आज यह सिद्ध कर दिया है कि यह भाषा न केवल राजभाषा है, बल्कि राष्ट्रभाषा एवं जनसंपर्क की भाषा भी है इसका ज़िक्र किया। यह भी बताया कि राजभाषा हिंदी का प्रचार-प्रसार एवं हिंदी को जनमानस तक पहुंचाना, हमारा नैतिक दायित्व है। इस दृष्टि से, आज कोचीन

शिपयार्ड लिमिटेड इस संगोष्ठी का आयोजन कर रहा है। वहां उपस्थित बैंक, केंद्र सरकार एवं पीएसयू के सभी राजभाषा कर्मियों एवं नगर राजभाषा कार्यान्वयन समितियों को भी उन्होंने बधाई दी जिन्होंने राजभाषा हिंदी को उन्नति की राह में खड़ा करने में और एक अगले स्तर तक ले जाने में अपनी एहम भूमिका निभाई है। वहां उपस्थित नराकास समितियों को भी उन्होंने सराहना की।

बाद में, हमारे मुख्य अतिथि श्री सुरेंद्रन वी आईटीएस, प्रधान महाप्रबंधक, बीएसएनएल और अध्यक्ष नराकास, कोच्ची (सार्वजनिक उपक्रम) को अपने आशीर्वचनों के लिए आमंत्रित किया गया। उन्होंने भी हिंदी की प्रगति उसके लिए किए जा रहे प्रयासों और शहरों में स्थित नगर राजभाषा कार्यान्वयन समितियों का बढ़ता प्रयास आदि सब की सराहना की और इस आयोजन के लिए कोचीन शिपयार्ड को भी तहे दिल से बधाई दी।

तत्पश्चात, श्री अनिर्बान कुमार विश्वास, प्रभारी उप निदेशक (कार्यान्वयन), क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय, कोच्ची को अपने अनुभव के तहत आशीर्वचनों के लिए आमंत्रित किया गया। महोदय ने भी अपने अनुभव में कार्यरत सभी संस्थानों के अनुभव को बटोरते हुए हिंदी के प्रचार _प्रसार की आवश्यकता और एहमियत को दर्शाया और सिर्फ हिंदी ही नहीं सभी भारतीय भाषाओं की प्रमुखता पर ज़ोर देते हुए भारत सरकार द्वारा शुरु किए गए नए पहल की ओर ध्यान दिलाया गया जिसमें सभी भारतीय भाषाओं के सहायक निदेशकों के पद के लिए अधिसूचना जारी किया गया है। सभी हिंदी कर्मियों को अपनी - अपनी जगह किए जा रहे प्रयासों की भी प्रशंसा की।

कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड
COCHIN SHIPYARD LIMITED
राजभाषा संगोष्ठी
OFFICIAL LANGUAGE

उद्घाटन सत्र के समापन में समारोह के अध्यक्ष डॉ. हरिकृष्णन एस, कार्यकारी निदेशक (पोत निर्माण) द्वारा मुख्य अतिथिगण श्री सुरेंद्रन वी आईटीएस, प्रधान महाप्रबंधक, बीएसएनएल, कोच्ची और श्री अनिर्बान कुमार विश्वास, प्रभारी उप निदेशक (कार्यान्वयन), क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय, कोच्ची को स्मृति चिन्ह प्रदान किया गया। इसके साथ उद्घाटन सत्र संपन्न हुआ।

चाय विराम के पश्चात संगोष्ठी का शुभारंभ किया गया।संगोष्ठी मुख्य रूप से दो सत्रों में योजनाबद्ध था, **प्रथम सत्र का पहला भाग "राजभाषा कार्यान्वयन में गैर - हिंदी कर्मियों की भूमिका कर्तव्य और दायित्व"** पर आधारित था जिसका संचालन श्री अनिर्बान कुमार विश्वास, प्रभारी उप निदेशक (कार्यान्वयन) क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय, कोच्ची द्वारा किया गया।उन्होंने अपने अनुभव के आधार पर हिंदी भाषा के महत्व और भारत सरकार द्वारा जारी किए गए नए नए अवसरों पर प्रकाश फैलाया गया। कॉलेज छात्रों के हिंदी भाषा के प्रति रूचि देखकर उन्हें भी प्रोत्साहित करते हुए रोज़गारोन्मुख अवसरों की सूचना दिलाई। उपस्थित सभी प्रतिभागियों को हिंदी के बढ़ते आयामों का ज्ञान प्राप्त हुआ और इस सत्र से उन्होंने भरपूर लाभ उठाया।

राजभाषा संगोष्ठी
ICIAL LANGUAGE SEMINAR
22.11.2024

प्रथम सत्र का दूसरा भाग "डिजिटल युग में राजभाषा हिंदी" पर आधारित था जिसका संचालन डॉ. मधुशील आयिल्यत्त, प्रबंधक (राजभाषा), भारतीय रिज़र्व बैंक, कोच्ची ने किया। उन्होंने हिंदी को प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में किस प्रकार जोड़ा जा सकता है उसको सविस्तार से समझाया। अनुवाद में हम किस प्रकार प्रौद्योगिकी की मदद ले सकते है और कहां _कहां इसका अनुप्रयोग उपलब्ध है, कार्यालय में हिंदी न जानने वाले अधिकारी कैसे इन माध्यमों से हिंदी में काम कर सकते है, विभिन्न साइटों, विभिन्न टाइपिंग टूलों आदि के बारे में पवर पॉइंट प्रस्तुतीकरण के ज़रिए जानकारी प्रदान की गई। यह बहुत ही ज्ञानवर्धक सत्र था, जिसका सभी प्रतिभागियों ने विशेषकर छात्रों ने लाभ उठाया ।

राजभाषा संगोष्ठी
FICIAL LANGUAGE SEMI
22.11.2024

इसको जारी रखते हुए श्री प्रशांत जी पै, वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा), केनरा बैंक, क्षेत्रीय कार्यालय तृश्शूर का पर्चा प्रस्तुतीकरण था जिनका विषय था **"12 'प्र' से राजभाषा हिंदी का समुचित विकास"** । इस विषय को उन्होंने बडे ही शानदार ढंग से सामने रखा। हिंदी की प्रमुखता और हरेक 'प्र' के शब्दों और उसकी सार्थकता, उसकी एहमियत इन सबके बारे में बड़े ही रोचक ढंग से प्रस्तुत किया। वाकई में इस विषय में प्रस्तुतीकरण बहुत ही ज्ञानवर्धक था। 'प्र' के एक शब्दों को कैसे हिंदी के साथ जोड़ा जा सकता है उसे किस प्रकार समझाया जा सकता है यह सब बहुत ही सरल रूप से समझाया गया।

राजभाषा संगोष्ठी
AL LANGUAGE SEMINAR
22.11.2024

द्वितीय सत्र का पहला भाग श्रीमती आशा के सी, वरिष्ठ अनुवाद अधिकारी, भारतीय तटरक्षक, कोच्ची के पर्चा प्रस्तुतीकरण के साथ हुआ। उनका विषय था **"हिंदी में अनुवाद - चुनौतियों और संभावनाएं"** इस विषय पर उन्होंने हिंदी भाषा में अनुवाद संबंधी मुश्किलों और उसे किस प्रकार सुलझाया जा सकता है इस पर चर्चा की गई। अनुवाद क्या है, उसके प्रकार, कार्यालय में किस अनुवाद का प्रयोग किया जाना चाहिए, किन आधारों पर अनुवाद का मूल्यांकन करना चाहिए, एक अनुवादक किन चुनौतियों का सामना कर सकता है, उसे किस प्रकार इसे निपटना चाहिए, अनुवाद की संभावनाएं आदि पर बहुत ही बढ़िए ढंग से पवर पॉइंट प्रस्तुतीकरण के ज़रिए पेश किया।

षा संगोष्ठी
ANGUAGE SEMINAR

द्वितीय सत्र का दूसरा भाग **"राजभाषा हिंदी के सफल कार्यान्वयन के लिए नीतिगत उपाय"** विषय पर आधारित था जिसका संचालन डॉ. अंजली एस, सहायक प्रोफेसर (हिंदी विभाग), महाराजास कॉलेज, कोच्ची ने किया। उन्होंने हिंदी को कार्यालयीन कार्यों के लिए किस प्रकार सरल रूप से प्रयोग में लाया जा सकता है उस पर अपनी प्रस्तुतीकरण से विषय का आरंभ किया। राजभाषा नीति को सरल और सहज रूप से पवर पॉइंट प्रस्तुतीकरण के रूप में प्रस्तुत किया गया। हिंदी को राजभाषा का दर्जा प्राप्त करने की स्थिति, राजभाषा अधिनियम, नियम, संकल्प आदि से जुड़े मदों को बहुत ही सरल और स्पष्ट रूप से दर्शाया गया।

गैर-हिंदी कर्मियों के लिए यह बहुत ही ज्ञानवर्धक सत्र था, जिसका सभी प्रतिभागियों ने लाभ उठाया ।

राजभाषा संगोष्ठी
OFFICIAL LANGUAGE SEM
22.11.2024

द्वितीय सत्र का आखिरी भाग **"हिंदी में वार्तालाप की संरचना और दिशा" विषय** पर आधारित था जिसका संचालन डॉ. हेरमन पी जे, प्रोफेसर एवं निदेशक, अनुवाद और अनुवाद अध्ययन केंद्र, हिंदी विभाग, केरल विश्वविद्यालय, तिरुवनंतपुरम ने किया। बोलचाल की हिंदी और कार्यालयीन हिंदी में अंतर क्या है। उसे किस प्रकार पहचाना जा सकता है आदि से संबंधित विषयों पर उन्होंने अपना वक्तव्य प्रस्तुत किया । सरल हिंदी को किस प्रकार कार्यालयीन कामों में उपयोग किया जा सकता है। उन्होंने फिर प्रतिभागियों से कुछ वाक्यों का सरल अनुवाद करने को कहा। सभी ने इस सत्र में बहुत ही घुल-मिलकर भाग लिया। वास्तव में यह विषय वहां उपस्थित सभी कर्मचारियों एवं छात्रों केलिए ज्ञानवर्धक और कार्यात्मक था।

हरेक सत्र के समापन में संकाय सदस्यों को सभागार में उपस्थित वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा स्मृति चिन्ह प्रदान किया गया। संगोष्ठी के अंत की ओर बढ़ते हुए समापन समारोह में सभी अतिथियों, संकायों, विभिन्न कार्यालयों से उपस्थित गैर-हिंदी कर्मचारियों, विभिन्न कॉलेजों से उपस्थित छात्रों को प्रबंधक (राजभाषा) श्रीमती सरिता जी द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया। धन्यवाद ज्ञापन के बाद राष्ट्रगान के साथ संगोष्ठी का भव्य संपन्न हुआ।

संगोष्ठी में श्री शंकराचार्य विश्वविद्यालय, कालडी, दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा, एर्णाकुलम और कोचीन विश्वविद्यालय, कलमश्शेरी से 20 छात्रों ने अपनी उपस्थिति दर्ज की। एर्णाकुलम जिले के तीनों नगर राजभाषा कार्यान्वयन समितियों से 100 से अधिक गैर-हिंदी प्रतिभागियों ने संगोष्ठी में अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की।

गैर-हिंदी कर्मियों के लिए आयोजित यह राजभाषा संगोष्ठी न केवल उनकी हिंदी भाषा की दक्षता को बढ़ाने का माध्यम बनी, बल्कि हिंदी के प्रति जागरूकता और आत्मीयता का एक सशक्त मंच भी प्रदान किया। कार्यक्रम ने यह साबित किया कि सही दिशा-निर्देश और प्रशिक्षण से भाषा की बाधाएं आसानी से दूर की जा सकती हैं। इस संगोष्ठी का प्रभाव दीर्घकालिक होगा, क्योंकि इसके माध्यम से गैर-हिंदी कर्मियों ने हिंदी को अपनाने और उसे अपने कार्यक्षेत्र में अधिक प्रभावी तरीके से उपयोग करने का संकल्प लिया। इस संगोष्ठी ने हिंदी भाषा की समृद्धि और उसके महत्व को रेखांकित करते हुए एक सकारात्मक और उत्साहवर्धक वातावरण का भी निर्माण किया है।

हिंदी पखवाड़ा समारोह – 2024

कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड
COCHIN SHIPYARD LIMITED
हिंदी पखवाड़ा समापन समारोह
HINDI FORTNIGHT
VALEDICTORY CELEBRATIONS
TRAINING INSTITUTE

सरकारी कामकाज में राजभाषा हिंदी के प्रति जागरूकता तथा उसके प्रयोग में गति लाने के उद्देश्य से हर वर्ष सितंबर महीने में कार्यालय में हिंदी पखवाड़ा मनाया जाता है। दिनांक 14 सितंबर 2024 को दिल्ली में आयोजित चतुर्थ अखिल भारतीय सम्मेलन में हिंदी दिवस समारोह का उद्घाटन किया गया। तदवसर पर, कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड का प्रतिनिधित्व करते हुए हिंदी कर्मियों ने अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की।

पखवाडे के दौरान, कर्मचारियों, कार्यपालक प्रशिक्षार्थियों, प्रशिक्षार्थियों केलिए विभिन्न प्रतियोगिताओं जैसे सुलेख,हिंदी टंकण, समाचार वाचन, स्मृति परीक्षा, टिप्पण व आलेखन और अनुवाद, निबंध लेखन, कविता रचना, कविता पाठ, प्रश्नोत्तरी, शब्द पहेली, प्रशासनिक शब्दावली और हिंदी फिल्म गीत (महिला और पुरुषों केलिए अलग - अलग) आदि प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। कर्मचारियों के बच्चों केलिए कविता पाठ, श्रुतलेख (1-4 श्रेणी), सुलेख, हिंदी फिल्म गीत (5-7 श्रेणी), भाषण और प्रश्नोत्तरी (8-12) आदि प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। सभी ने प्रतियोगिताओं में पूरे दिल और जोश से भाग लिया ।

सीएसएल के अन्य यूनिटों में हिंदी पखवाड़ा समारोह

सीएसएल के अन्य यूनिट सीकेएसआरयू,सीएएनएसआरयू, सीएमएसआरयू में हिंदी पखवाड़ा समारोह बड़ी धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर कर्मचारियों केलिए विभिन्न प्रतियोगिताएं जैसे निबंध लेखन, सुलेख, कविता

उडुपी कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड

कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड
COCHIN SHIPYARD LTD
हिंदी पखवाड़ा समारोह
HINDI FORTNIGHT CELEBRATION
14-28 सितंबर 2024
Galaxy S23 Ultra
सीएसएल अंडमान व निकोबार पोत मरम्मत यूनिट

सीएसएल मुंबई पोत मरम्मत यूनिट

सीएसएल कोलकाता पोत मरम्मत यूनिट

हुगली कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड

रचना, शब्द पहेली, फिल्मी गीत, प्रशासनिक शब्दावली आदि आयोजित की गई। सभी यूनिट के कर्मचारियों ने पूरे जोश और होश के साथ भाग लिया और कार्यक्रम को सफल बनाया।

समापन समारोह

HINDI FORTNIGHT
VALEDICTORY CELEBRATI

हिंदी पखवाड़ा समारोह का समापन समारोह दिनांक 02 नवंबर 2024, अपराहन 1430 बजे को समुद्री इंजीनियरी प्रशिक्षण संस्थान (मेटी) के सभा भवन में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य कार्यस्थल में हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देना और हिंदी भाषा के महत्व को उजागर करना था।

हिंदी पखवाड़ा समापन समारोह
HINDI FORTNIGHT
VALEDICTORY CELEBRATIONS
TRAINING INSTITUTE

मुख्य अतिथि के रूप में हमारे अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक श्री मधु एस नायर ने समारोह को संबोधित किया। उनके साथ श्री जोस वी जे, निदेशक (वित्त) एवं श्री श्रीजित के नारायणन, निदेशक (प्रचालन) अपनी गरिमामयी उपस्थिति से समारोह की शोभा बढ़ाई। समारोह का शुभारंभ श्रीमती कार्तिका एस नायर, उप प्रबंधक (वित्त) के ईश्वर वंदना के साथ शुरु हुआ जो श्री सुबाष ए के, महाप्रबंधक (मानव संसाधन व प्रशिक्षण) के स्वागत भाषण के साथ जारी रहा।

हिंदी पखवाड़ा समापन समारोह
HINDI FORTNIGHT
VALEDICTORY CELEBRATIONS
TRAINING INSTITUTE

कार्यक्रम के दौरान माननीय गृह मंत्री श्री अमित शाह जी का संदेश श्रीमती सरिता जी, प्रबंधक (राजभाषा) द्वारा पढ़ा गया। तत्पश्चात हमारे अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक श्री मधु एस नायर ने अपने अध्यक्षीय भाषण में आयोजन समिति के प्रयासों की सराहना की और कर्मचारियों की सक्रिय भागीदारी की प्रशंसा की। अपने भाषण में, हिंदी के ज़रिए संचार में एकता और सहजता को बढ़ाने की आवश्यकता पर ज़ोर दिया। उनकी बातों में, हम सभी को हिंदी भाषा का अधिक से अधिक उपयोग करके, सही मायने में इसको सम्मान दिया जाना है। अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक ने पिछले वर्ष राजभाषा के उत्कृष्ट कार्यान्वयन हेतु गृह मंत्रालय, भारत सरकार के उत्कृष्ट कीर्ति पुरस्कार से भी सम्मानित होने केलिए हिंदी अनुभाग एवं पूरे कर्मचारीदल को बधाई दी। हिंदी पखवाडा समारोह के सिलसिले में कर्मचारियों केलिए और साथ ही कॉलेज छात्रों केलिए भी पहली बार एक लघु चित्र प्रतियोगिता का आयोजन सफल ढंग से किया गया जो कि एक सराहनीय कदम है। इस समारोह में पुरस्कृत कर्मचारियों और कॉलेज छात्रों को भी अध्यक्ष महोदय द्वारा सराहना दी गई। हिंदी भाषा को अपने प्रेरणात्मक शब्दों के साथ बढ़ावा देते हुए उन्होंने अपना भाषण संपन्न किया।

कार्यक्रम को एक छोटा-सा विराम देते हुए कुमारी हंसिका विजय, श्री विजय कुमार टी ए की सुपुत्री ने अपने मधुर शब्दों में एक कविता प्रस्तुत की जिसने

हिंदी पखवाड़ा समापन समारोह
HINDI FORTNIGHT
VALEDICTORY CELEBRATIONS

हिंदी पखवाड़ा समापन समारोह
HINDI FORTNIGHT
VALEDICTORY CELEBRATIONS

पूरे सभागार को अपने हाथ में ले लिया। उसको जारी करते हुए कुमारी शिवानी एस पिल्लै, श्री शिवशंकरा पिल्लै एन एस की सुपुत्री जिसने अपने मधुर संगीत से वहाँ उपस्थित लोगों का मन बहलाया।

समापन समारोह के अवसर पर, सभी विजेता कर्मचारियों एवं बच्चों साथ ही लघु चित्र प्रतियोगिता में पुरस्कृत कॉलेजों को अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक और सभा में उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों के करकमलों से ट्रॉफी एवं प्रमाणपत्र प्रदान किया गया।

हिंदी पखवाडा समारोह में **ऑवरॉल चैम्पियनशिप रोलिंग ट्रॉफी** इस वर्ष **पोत मरम्मत विभाग** को प्रदान किया गया। इस पुरस्कार वितरण के तुरंत बाद एक और विराम लेते हुए हमारे फिल्मी गीत प्रतियोगिता में पुरस्कृत हुए श्री प्रवीण पी का गाना प्रस्तुत किया गया जिसने सबके मन को मोह लिया उसको जारी रखते हुए श्रीमती सुमी एस और श्री एंटणी जलील का एक युग्म गीत प्रस्तुत किया गया जो बहुत ही मनमोहक था तुरंत बाद श्री जॉबी ने अपने पियानो के जादू से वहां उपस्थित सभी को हिला दिया।

हिंदी पखवाड़ा समापन समारोह
HINDI FORTNIGHT
VALEDICTORY CELEBRATIONS
14 - 28 सितंबर 2024
TRAINING INSTITUTE

हिंदी पखवाड़ा समापन समारोह
HINDI FORTNIGHT
VALEDICTORY CELEBRATIONS
14 - 28 सितंबर 2024

हिंदी पखवाड़ा समापन समारोह
TRAINING INSTITUTE

कार्यक्रम के अंत की ओर बढ़ते हुए हमारी प्रबंधक (राजभाषा) श्रीमती सरिता जी द्वारा धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया, जिन्होंने सभी प्रतिभागियों, आयोजकों और प्रबंधन को हिंदी पखवाडे के सफल आयोजन में उनके सहयोग केलिए आभार व्यक्त किया। इसके बाद राष्ट्रगान के साथ समापन समारोह का भव्य संपन्न हुआ।कुल-मिलाकर हिंदी पखवाडा समारोह अत्यंत सफल रहा, जिसने सीखने और आनंद का माहौल उत्पन्न किया। हिंदी पखवाडा समारोह ने सभी पर एक गहरा प्रभाव छोड़ा और राजभाषा के महत्व को और भी सशक्त किया ।

विशेष कार्यक्रम - हिंदी लघु फिल्म प्रतियोगिता

राजभाषा हिंदी की प्रगति की ओर अपनी प्रतिबद्धता के भाग के रूप में और छात्रों के बीच हिंदी भाषा के प्रसार-प्रचार हेतु साथ ही हिंदी पखवाड़ा समारोह के एक विशेष कार्यक्रम के रूप में कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड द्वारा एर्णाकुलम जिले के सभी कॉलेजों के लिए हिंदी लघु चित्र प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। लघु चित्र मुख्यरूप से 'रिश्तों पर सोशल मीडिया का प्रभाव, 'एक मानव होने के नाते प्रकृति और पर्यावरण के प्रति प्रतिबद्धता', 'बुरी आदतें छोड़ना : बुरी आदतों पर काबू पाने और नशीली दवाओं के सेवन से बचने हेतु जीवनशैली में सकारात्मक बदलाव लाने की कहानी', 'स्वच्छ भारत अभियान के तहत सफाई और स्वच्छता को बढ़ावा देना', आदि पर आधारित था। कुल 15 कॉलेजों ने प्रतियोगिता में सक्रिय रूप से अपनी भागीदारी सुनिश्चित की। हर फिल्म में एक नया संदेश, एक नई सोच, नई प्रेरणा देखने को मिली और यह इस प्रतियोगिता की सबसे बडी सफलता है।

प्रतियोगिताओं में क्रमश : प्रथम, पुरस्कार - क्राइस्ट नॉलेज सिटी इंजीनियरिंग कॉलेज, मुवाट्टुपुष़ा, द्वितीय पुरस्कार - राजगिरी कॉलेज ऑफ सोशल साइन्स, कलमश्शेरी, तृतीय पुरस्कार - दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा, एर्णाकुलम और अमृता विश्व विद्यापीठम, कोच्ची ने हासिल किया।

प्रथम पुरस्कार - क्राइस्ट नॉलेज सिटी इंजीनियरिंग कॉलेज, मुवाट्टुपुष़ा

द्वितीय पुरस्कार - राजगिरी कॉलेज ऑफ सोशल साइन्स, कलमश्शेरी

तृतीय पुरस्कार - दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा, एर्णाकुलम

तृतीय पुरस्कार -अमृता विश्व विद्यापीठम, कोच्ची

विश्व हिंदी दिवस

समारोह 2025

कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड द्वारा इस वर्ष विश्व हिंदी दिवस को एर्णाकुलम जिले के दो विद्यालयों **(चोट्टानिक्करा वीएचएसएस और सेक्रट हार्ट यू पी स्कूल, कर्त्तेडम)** में बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर हिंदी भाषा के प्रचार-प्रसार और छात्रों में इसकी महत्ता के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए।

हिंदी साहित्य के प्रति रुचि बढ़ाने और समझ को गहरा करने के लिए छात्रों को हिंदी की पुस्तकें वितरित की गईं। कविता पाठ प्रतियोगिता में छात्रों ने हिंदी कविताओं को बड़ी भावनात्मकता और प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। वहीं, भाषण प्रतियोगिता में उन्होंने हिंदी भाषा की महत्ता, उसकी संस्कृति और दैनिक जीवन में उसके योगदान पर अपने विचार साझा किए।

इन प्रतियोगिताओं में कुल 26 छात्रों ने सक्रिय रूप से भाग लिया और अपने उत्साह और प्रतिभा का प्रदर्शन किया। समारोह का समापन सभी प्रतिभागियों को प्रशंसा प्रमाण पत्र और ट्रॉफी वितरित करके किया गया, जिससे छात्रों में प्रेरणा और गर्व की भावना जागृत हुई। आयोजकों और शिक्षकों ने छात्रों की सराहना करते हुए इस बात पर जोर दिया कि ऐसे कार्यक्रम हिंदी भाषा और संस्कृति को सशक्त बनाने में सहायक होते हैं।

विश्व हिंदी दिवस समारोह ने न केवल छात्रों में हिंदी भाषा के प्रति प्रेम बढ़ाया, बल्कि उनकी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़ने की प्रेरणा भी दी। यह आयोजन सभी के लिए ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायक सिद्ध हुआ।

गृह मंत्रालय, भारत सरकार से राजभाषा निरीक्षण

दिनांक 24.06.2024 को क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय (कोच्ची), गृह मंत्रालय, भारत सरकार से श्री अनिर्बान कुमार विश्वास, उप निदेशक और श्रीमती शीला एम सी, सचिव, कोच्ची टॉलिक ने कोचीन शिपयार्ड में राजभाषा से संबंधित गतिविधियों की समीक्षा की। एक पावर पॉइंट प्रस्तुतीकरण के ज़रिए कार्यालय के राजभाषा कार्यान्वयन से संबंधित विस्तृत रिपोर्ट प्रबंधक (राजभाषा) द्वारा प्रस्तुत किया गया। श्री अनिर्बान कुमार विश्वास ने राजभाषा के संवर्धन हेतु कार्यालय द्वारा उठाए गए सभी प्रयासों की सराहना की।

वरिष्ठ अधिकारीगण केलिए राजभाषा प्रबंधन कार्यक्रम

कार्यालय के वरिष्ठ अधिकारीगण के बीच राजभाषा के संबंध में एक अवबोध सृजित करने के उपलक्ष्य में, दिनांक 30.05.2024 को सहायक महाप्रबंधक स्तर के अधिकारीगण केलिए एक राजभाषा प्रबंधन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ मधुशील आयिल्यत्त, भारतीय रिज़र्व बैंक, कोच्ची द्वारा किया गया। उन्होंने राजभाषा नीति, वार्षिक कार्यक्रम, संसदीय राजभाषा समिति से संबंधित रिपोर्ट, यूनीकोड आदि पर विस्तृत रूप से प्रकाश डाला। राजभाषा कार्यान्वयन के क्षेत्र में वरिष्ठ अधिकारियों की भूमिका, उत्तरदायित्व आदि से संबंधित मुख्य पहलुओं पर चर्चा की। कुल 25 अधिकारियों ने अपनी सफल भागीदारी सुनिश्चित की।

हिंदी गृह पत्रिका का विमोचन

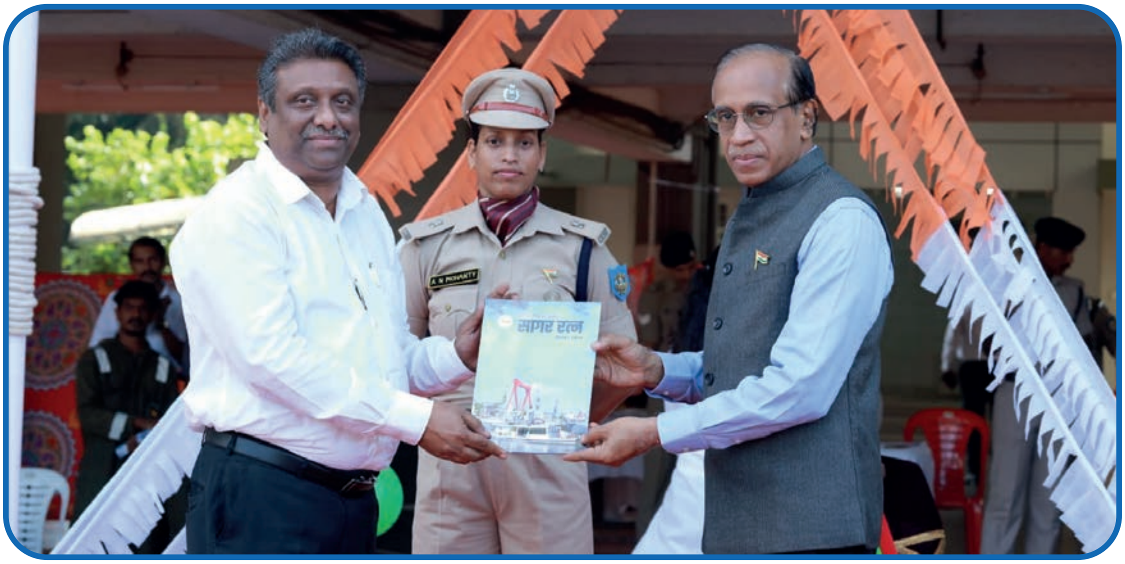

कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड में दिनांक 15.08.2024 को स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान हिंदी गृह पत्रिका 'सागर रत्न' के 16 वें अंक का विमोचन किया गया।

इंटर्नशिप कार्यक्रम

छात्रों को कार्यालयों में राजभाषा हिंदी के महत्व और प्रमुखता को समझने हेतु एक विशेष कदम के रूप में, सीएसएल में राजभाषा हिंदी में इंटर्नशिप कार्यक्रम की शुरुआत की गई। अप्रैल-जुलाई 2024 महीने में महाराजास कॉलेज, एर्णाकुलम से 5 छात्रों और दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा, एर्णाकुलम से एम ए हिंदी एवं अनुवाद डिप्लोमा के 9 छात्र ने **हिंदी में इंटर्नशिप कार्य** सफल रूप से पूरा किया।

बोलचाल की हिंदी कक्षाएं

सीएसएल के कर्मचारियों केलिए बोलचाल की हिंदी के पांचवे बैच का प्रशिक्षण चलाया गया। कक्षाएं हफ्ते में दो दिन एक घंटे केलिए आयोजित की गई थी। मई 2024 में सफल रूप में सत्र का समापन हुआ। कुल 23 कर्मचारीगण ने प्रशिक्षण सत्र में सक्रिय रूप से भाग लिया।

विविध कार्यकलाप

1. दिनांक 22 मार्च 2024 को भारतीय रिज़र्व बैंक, कोच्ची में आयोजित बैंकों के नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति के कार्यालयों के गैर-हिंदी कर्मचारियों के लिए आयोजित हिंदी कार्यशाला में श्रीमती लिजा जी एस, सहायक प्रशासनिक अधिकारी (हिंदी - व.ग्रे.) संकाय थी।

2. पावरग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड, कोच्ची मे दिनांक 10.05.2024 को आयोजित राजभाषा तकनीकी संगोष्ठी में कोचीन शिपयार्ड की ओर से हिंदी कर्मचारीगण ने अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की। संगोष्ठी में संसदीय राजभाषा समिति के निरीक्षण रिपोर्ट से संबंधित मुख्य बातों पर प्रकाश डाला गया।

3. कोच्ची टॉलिक के तत्वावधान में एचपीसीएल में दिनांक 31.05.2024 को आयोजित राजभाषा प्रबंधन कार्यक्रम में श्री टिलसण थॉमस, सहायक प्रबंधक और श्रीमती आतिरा एस आर, सहायक प्रशासनिक अधिकारी, कार्मिक एवं प्रशासन विभाग ने अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की।

4. दिनांक19.06.2024 को एयरपोर्ट अथॉरिटी में कर्मचारियों के लिए आयोजित हिंदी कार्यशाला में श्रीमती लिजा जी एस, सहायक प्रशासनिक अधिकारी (हिंदी - व.ग्रे.) संकाय थी।

5. काजू और कोको विकास निदेशालय, कोच्ची मे दिनांक 25.06.2024 को आयोजित राजभाषा तकनीकी संगोष्ठी में कोचीन शिपयार्ड की ओर से हिंदी कर्मचारीगण ने अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की।

****

पर्यवेक्षकों एवं कार्यपालकों के लिए विशेषीकृत टिप्पण व आलेखन प्रशिक्षण

पारंगत 2024 बैच

आईएनएस विक्रमादित्य की मरम्मत और ड्राई डॉकिंग के लिए रक्षा मंत्रालय के साथ ₹ 1207 करोड़ का करार

- एक महत्वपूर्ण उपलब्धि

सत्यमेव जयते
रक्षा मंत्रालय
MINISTRY OF DEFENCE

रक्षा मंत्रालय ने दिनांक 30 नवंबर, 2024 को भारतीय नौसेना के प्रमुख वायुयान यान वाहक आईएनएस विक्रमादित्य की मरम्मत और ड्राई डॉकिंग के लिए कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड के साथ एक ऐतिहासिक समझौता किया। ₹1207.5 करोड़ की यह परियोजना भारत की नौसेना बेड़े के आधुनिकीकरण और सुदृढ़ीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

यह महत्वपूर्ण विकास तेजी से विकसित हो रहे भू-राजनीतिक वातावरण में अपनी समुद्री रक्षा क्षमताओं को बढ़ाने के लिए भारत की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। इस महत्वपूर्ण संसाधन का मरम्मत भारतीय नौसेना के अत्याधुनिक और उच्च-तत्परता वाले बेड़े को बनाए रखने के लक्ष्य के अनुरूप है। बढ़ती समुद्री सुरक्षा चुनौतियों के साथ, यह उन्नयन यह सुनिश्चित करता है कि वायुयान वाहक भारत के रणनीतिक हितों की रक्षा करने में सक्षम बना रहे।

इस हाई-प्रोफाइल रीफिट प्रोजेक्ट में सीएसएल की भागीदारी न केवल शिपयार्ड की तकनीकी प्रगति को उजागर करती है, बल्कि इसे भारत में नौसैनिक बेड़े के रखरखाव के लिए एक केंद्र के रूप में भी स्थापित करती है। इस परियोजना से लगभग 50 सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों के लिए नए अवसर पैदा करके भारतीय औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है, जो स्थानीय अर्थव्यवस्था के विकास में योगदान देगा। इसके अतिरिक्त, परियोजना के दौरान 3,500 से अधिक कुशल कर्मियों को रोजगार दिया जाएगा, जिससे क्षेत्र में रोजगार को काफी बढ़ावा मिलेगा। यह पहल घरेलू तकनीकी क्षमताओं को आगे बढ़ाकर और विदेशी आपूर्तिकर्ताओं पर निर्भरता कम करके आत्मनिर्भर भारत और मेक इन इंडिया अभियानों का समर्थन करती है।

भारतीय नौसेना के लिए दो पनडुब्बी रोधी युद्धक शैलो वाटर क्राफ्ट का समवर्ती जलावतरण

Malpe
मालपे
Mulki
मुलकी

कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड (सीएसएल) ने दिनांक 09 सितंबर 2024 को दो पनडुब्बी रोधी युद्धक शैलो वाटर क्राफ्ट का जलावतरण किया, जो कोच्ची यार्ड सुविधा में निर्माणाधीन थे। चौथा और पांचवां पोत भारतीय नौसेना के लिए कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड (सीएसएल) में निर्माणाधीन आठ पनडुब्बी रोधी युद्धक शैलो वाटर क्राफ्ट की श्रृंखला में हैं। औपचारिक पूजा के बाद, पोतों का श्रीमती विजया श्रीनिवास द्वारा जलावतरण किया गया। दो पोतों का जलावतरण भारतीय नौसेना के मुख्य अतिथि वाइस एडमिरल वी श्रीनिवास, एवीएसएम, एनएम की उपस्थिति में किया गया। इस अवसर पर सीएसएल के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक, सीएसएल के निदेशक, भारतीय नौसेना और सीएसएल के वरिष्ठ अधिकारी, वर्गीकरण सोसायटी के प्रतिनिधि उपस्थित थे। सीएसएल यार्ड संख्या बीवाई 526 और बीवाई 527 के साथ श्रृंखला के चौथे और पांचवें पोतों को भारतीय नौसेना में शामिल होने पर 'आईएनएस मालपे और आईएनएस मुलकी' नाम दिया जाएगा।

पोत 78.0 मीटर लंबा, 11.36 मीटर चौड़ा और लगभग 2.7 मीटर का मसौदा है। विस्थापन लगभग 900 टन है, अधिकतम गति 25 नॉट्स और 1800 समुद्री मील की सहनशक्ति है। पोतों को पानी के नीचे निगरानी के लिए स्वदेशी रूप से विकसित, अत्याधुनिक सोनार फिट करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। दो पोतों का समवर्ती जलावतरण कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड के लिए एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड में ड्रेजिंग कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया केलिए भारत के सबसे बडे ड्रेजर का निर्माण कार्य

कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड (सीएसएल) ने भारत के सबसे बड़े ड्रेजर, "डीसीआई ड्रेज गोदावरी" का कील लगाया, जो देश की समुद्री क्षमताओं में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में साबित हुआ। ड्रेजिंग कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड के लिए निर्मित 12,000 क्यूबिक मीटर की हॉपर क्षमता वाला यह ट्रेलिंग सक्शन हॉपर ड्रेजर (टीएसएचडी) भारत सरकार के 'मेक इन इंडिया' के 'आत्मनिर्भर भारत' पहल के तहत एक प्रमुख पहल है। डीसीआई ड्रेज गोदावरी की आधारशिला माननीय केंद्रीय पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री श्री सर्बानंद सोणोवाल ने रिमोट के माध्यम से रखी। इस समारोह में भारत में नेथरलैंड की राजदूत महामहिम सुश्री मारिसा जेराड्र्स, डॉ एम अंगमुथु, अध्यक्ष वीपीए और डीसीआई, श्री दुर्गेशकुमार प्रबंध निदेशक, डीसीआई और श्री मधु एस नायर, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, सीएसएल जैसे प्रमुख गणमान्य व्यक्तियों ने वर्चुअल माध्यम से भाग लिया। 127 मीटर लंबा और 28 मीटर चौड़ा यह ड्रेजर के निर्माण से भारत की ड्रेजिंग क्षमताएं भी बढ़ेंगी, जिससे तटीय और अंतर्देशीय नौवहन बाजार के विकास में सहायता मिलेगी।

श्री सर्बानंद सोणोवाल
कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड
Keel L

एफएसीटी एमकेके नायर मेम्मोरियल उत्पादकता पुरस्कार

कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड को हमारे उत्कृष्ट प्रदर्शन और उत्कृष्टता के प्रति प्रतिबद्धता के सम्मान में केरल राज्य उत्पादकता परिषद द्वारा सर्वश्रेष्ठ उत्पादकता प्रदर्शन पुरस्कार 2024 से सम्मानित किया गया है। सीएसएल की ओर से, निदेशक (प्रचालन) के नेतृत्व में ट्रेड यूनियनों, संघों और वरिष्ठ अधिकारियों के प्रतिनिधियों वाली एक टीम ने दिनांक 07 दिसंबर 2024 को केरल सरकार के माननीय उद्योग मंत्री से पुरस्कार प्राप्त किया। सीएसएल की यह उल्लेखनीय उपलब्धि हमारे सभी हितधारकों की कड़ी मेहनत, समर्पण और सहयोग का प्रमाण है।

राज्य स्तर पर उत्पादकता माह समारोह के तहत आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेतागण

क्रिस्टीना शोशा एब्रहाम
भाषण (अंग्रेज़ी)
द्वितीय पुरस्कार

रोष्मा एस
निबंध (अंग्रेज़ी)
द्वितीय पुरस्कार

अपर्णा मोहन
निबंध (मलयालम)
द्वितीय पुरस्कार

कैसन स्वर्णिम पुरस्कार

सतर्कता जागरूकता सप्ताह

COCHIN SHIPYARD LTD
कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड
COCHIN SHIPYARD LTD
सत्यनिष्ठा की संस्कृति से राष्ट्र की समृद्धि
രാഷ്ട്രത്തിന്റെ അഭിവൃദ്ധിക്കായി സമഗ്രതയുടെ സംസ്കാര
CULTURE OF INTEGRITY FOR NATION'S PROSPERIT
ജാഗ്രതാ ബോധവൽക്കരണവാരം 2024
सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2024
VIGILANCE AWARENESS WEEK 2024
28th October 2024 - 3rd November 202

कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड (सीएसएल) ने केंद्रीय सतर्कता आयोग(सीवीसी) के निर्देशों के अनुरूप दिनांक 28 अक्तूबर से 3 नवंबर 2024 तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2024 का उत्साहपूर्वक आयोजन किया। इस वर्ष का विषय, ‘‘राष्ट्र की समृद्धि के लिए सत्यनिष्ठा की संस्कृति" ने नैतिक आचरण और भ्रष्टाचार के प्रति जागरूकता को बढाने केलिए कई प्रभावशाली कार्यक्रमों और पहलों को प्रेरित किया। संगठन के भीतर और बाहर भागीदारी को प्रोत्साहित करने और सतर्कता का संदेश फैलाने के लिए विभिन्न प्रतियोगिताएं और गतिविधियाँ आयोजित की गईं। इन प्रतियोगिताओं के विजेताओं को दिनांक 4 नवंबर 2024 को आयोजित समापन समारोह के दौरान सम्मानित किया गया, जिसमें सभी आयु समूहों में सतर्कता और ईमानदारी को बढ़ावा देने के महत्व को रेखांकित किया गया।

संविधान दिवस

75वाँ संविधान दिवस
75th Constitution Day
TRAINING INSTITUTE

दिनांक 26 नवंबर 1949 को संविधान सभा द्वारा भारत के संविधान को अपनाने के उपलक्ष्य में सीएसएल में संविधान दिवस बडी गरिमा के साथ मनाया गया। केरल के उच्च न्यायालय के माननीय न्यायाधीश एन नागरेश ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, सभी निदेशकगण, कर्मचारीगण कार्यक्रम में उपस्थित थे।

यौन उत्पीडन रोकथाम सप्ताह

TRAINING INSTITUTE

सीएसएल में सभी महिला कर्मचारियों केलिए एक सुरक्षित, सम्मानजनक और समावेशी कार्य वातावरण प्रदान करने की अपनी प्रतिबद्धता के भाग के रूप में दिनांक 09 दिसंबर 2024 से 13 दिसंबर 2024 तक यौन उत्पीडन रोकथाम सप्ताह 2024 मनाया गया । इस सप्ताह में पोश कानूनी पर कार्यशाला, जागरूकता कार्यशालाएं, लंबित शिकायतों का त्वरित निवारण, विविध प्रतियोगिताएं आदि शामिल किया गया । समापन समारोह में श्रीमती मिनी एस दास, रजिस्ट्रार, केरल उच्च न्यायालय मुख्य अतिथि थी । उन्होंने कर्मचारियों के बीच कार्यस्थल में यौन उत्पीडन रोकथाम से संबंधित अपेक्षित जानकारी साझा की ।

ऊर्जा संरक्षण सप्ताह समारोह

TRAINING INSTITUTE

ऊर्जा संरक्षण के महत्व को उजागर करने केलिए हर साल दिनांक 14 दिसंबर को राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस मनाया जाता है। इस सिलसिले में सीएसएल में दिनांक 06 दिसंबर से 13 दिसंबर 2024 तक पूरे सप्ताह कई आकर्षक कार्यक्रम और गतिविधियां आयोजित की।दिनांक 13 दिसंबर को आयोजित समापन समारोह में डॉ सी जी मधुसूदनन, सह संस्थापक, सीईओ, ईक्यूयूआईएनओसीटी सामाजिक स्त्रोत मॉडलिंग समाधान ने जलवायु समाधान केलिए ऊर्जा संरक्षण की अनिवार्यता पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।

राष्ट्र निर्माण में मौलिक कर्तव्यों की आवश्यकता पर एक लोक सेवक का दृष्टिकोण

डॉ. विष्णु एस
प्रबंधक (कानूनी)

एक लोकतांत्रिक समाज में, नागरिकों के अधिकारों और जिम्मेदारियों के बीच परस्पर क्रिया सतत विकास और सामाजिक प्रगति की आधारशिला बनती है। जबकि मौलिक अधिकार अक्सर शिखर पर होता है , मौलिक कर्तव्यों के महत्व को कम करके आंका नहीं जा सकता है। संविधान में निहित, ये कर्तव्य जिम्मेदारी, एकता और नागरिक गौरव को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक हैं। लोक सेवकों के लिए, इन कर्तव्यों को समझना और बढ़ावा देना प्रभावी शासन और राष्ट्र निर्माण का एक महत्वपूर्ण पहलू है।

लोक कल्याण के संरक्षक के रूप में, लोक सेवक अधिकार-केंद्रित संस्कृति के प्रभावों को देखते हैं जो अधिकार को जन्म दे सकती है। मौलिक कर्तव्य एक महत्वपूर्ण अनुस्मारक के रूप में कार्य करते हैं कि अधिकार सामूहिक भलाई के प्रति जिम्मेदारियों के साथ-साथ आते हैं। संविधान का सम्मान करना और पर्यावरण की रक्षा करना जैसे कर्तव्य व्यक्तिगत कार्यों को राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के साथ जोड़ते हैं, नागरिकों को ऐसे निर्णय लेने के लिए प्रोत्साहित करते हैं जो उनके समुदायों और बड़े पैमाने पर राष्ट्र को लाभान्वित करते हैं। उदाहरण के माध्यम से नेतृत्व करके, लोक सेवक यह प्रदर्शित कर सकते हैं कि इन कर्तव्यों को अपनाने से समावेशी विकास और सामाजिक कल्याण को कैसे बढ़ावा मिलता है। इन जिम्मेदारियों की हिमायत करने से नागरिकों के बीच जवाबदेही और साझा उद्देश्य की संस्कृति विकसित होती है।

विविधतापूर्ण राष्ट्र में, एकता प्रगति का आधार है। मौलिक कर्तव्य सद्भाव, आपसी सम्मान और सार्वजनिक संपत्ति की सुरक्षा जैसे मूल्यों को बढ़ावा देते हैं, विभिन्न सामाजिक, सांस्कृतिक और भाषाई समूहों के बीच की दूरी के लिए सेतु बनता है। लोक सेवकों के लिए, ये सिद्धांत सामाजिक सामंजस्य को बढ़ावा देने के लिए शक्तिशाली उपकरण हैं। साझा जिम्मेदारियों पर जोर देने वाले अभियान और पहल एक ऐसी कहानी का निर्माण कर सकते हैं जो साझा लक्ष्यों को प्राथमिकता देते हुए विविधता का जश्न मनाती है। इस तरह के प्रयास सामाजिक विभाजन को कम करने में मदद करते हैं, जिससे राष्ट्रीय विकास के लिए अनुकूल समावेशी वातावरण बनता है।

लोक सेवक सतत विकास लक्ष्यों को आगे बढ़ाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। मौलिक कर्तव्य, विशेष रूप से पर्यावरण संरक्षण और संसाधन संरक्षण से संबंधित कर्तव्य, इन प्रयासों के पूरक हैं। अपनी जिम्मेदारियों से अवगत नागरिक पर्यावरण के अनुकूल प्रथाओं को अपनाने, प्राकृतिक संसाधनों पर दबाव कम करने और दीर्घकालिक विकास में योगदान देने की अधिक संभावना रखते हैं। लोक सेवक ऐसे पहलों का नेतृत्व कर सकते हैं जो समुदायों को प्रदूषण कम करने और ऊर्जा संरक्षण के बारे में शिक्षित करते हैं, व्यक्तिगत कार्यों को व्यापक स्थिरता उद्देश्यों से जोड़ते हैं।

किसी राष्ट्र का चरित्र उसके लोगों के मूल्यों में प्रतिबिम्बित होता है। मौलिक कर्तव्य ईमानदारी, निष्ठा और कानून के प्रति सम्मान जैसे गुणों को प्रोत्साहित करते हैं - ऐसे मूल्य जो सुशासन और सामाजिक विश्वास के लिए अपरिहार्य हैं। रोल मॉडल के रूप में, लोक

सेवक इन आदर्शों को अपनाने और नागरिकों को उनका अनुसरण करने के लिए प्रेरित करने की जिम्मेदारी उठाते हैं। संवैधानिक सिद्धांतों को कायम रखते हुए और पारदर्शिता के साथ काम करते हुए, लोक सेवक एक न्यायपूर्ण और समतापूर्ण समाज बनाने में इन कर्तव्यों के महत्व को रेखांकित करते हैं।

सार्वजनिक जीवन में सक्रिय भागीदारी एक संपन्न लोकतंत्र की पहचान है। मौलिक कर्तव्य नागरिकों को मतदान करने, सामुदायिक सेवा में शामिल होने और राष्ट्रीय विकास में योगदान करने के लिए प्रेरित करते हैं। लोक सेवक नागरिक सहभागिता के लिए मंच उपलब्ध कराकर और शासन में समावेशिता सुनिश्चित करके इन प्रयासों को बढ़ा सकते हैं। शैक्षिक कार्यक्रम, सार्वजनिक मंच और जागरूकता अभियान नागरिकों को अपने समुदायों को आकार देने में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए सशक्त बनाते हैं। सूचित और सक्रिय नागरिकों द्वारा मजबूत किया गया सहभागी लोकतंत्र निरंतर प्रगति की नींव रखता है।

राष्ट्रीय सुरक्षा केवल कानून प्रवर्तन या सशस्त्र बलों का क्षेत्र नहीं है। नागरिकों की भी संप्रभुता और अखंडता की रक्षा में भूमिका है। मौलिक कर्तव्य इस साझा जिम्मेदारी को रेखांकित करते हैं, सतर्कता और एकता को बढ़ावा देते हैं। लोक सेवक जागरूकता बढ़ाकर और शांति-निर्माण प्रयासों में सार्वजनिक भागीदारी को बढ़ावा देकर राष्ट्रीय सुरक्षा को बढ़ा सकते हैं। यह सामूहिक स्वामित्व सामाजिक सद्भाव और स्थिरता को मजबूत करता है।

लोक सेवकों के लिए, मौलिक कर्तव्यों की वकालत करना संवैधानिक दायित्वों से परे है - यह जिम्मेदारी, एकता और साझा उद्देश्य में निहित समाज को पोषित करने का मार्ग है। इन कर्तव्यों को सार्वजनिक नीतियों और दैनिक शासन में शामिल करके, वे नैतिक और नैतिक ढांचे को मजबूत करते हैं जो एक राष्ट्र को बनाए रखता है। पर्यावरणीय संकट, राजनीतिक अस्थिरता और सामाजिक विखंडन जैसी चुनौतियों का सामना करते हुए, मौलिक कर्तव्य सामूहिक प्रगति के लिए एक मार्गदर्शक प्रकाश प्रदान करते हैं। वे केवल नैतिक अनिवार्यताएँ नहीं हैं; वे ऐसे स्तंभ हैं जो एक संपन्न लोकतंत्र की आकांक्षाओं का समर्थन करते हैं।

एक राष्ट्र तब समृद्ध होता है जब उसके नागरिक अपने कर्तव्यों को उसी उत्साह के साथ अपनाते हैं जिस उत्साह के साथ वे अपने अधिकारों का दावा करते हैं। लोक सेवकों के साथ मिलकर वे एक लचीला, न्यायसंगत और समृद्ध भविष्य का निर्माण कर सकते हैं।

लेख

आर्ट थेरॉपी: तनाव मुक्त जीवन जीने का मार्ग

बबिता अनीष
अनीष वी आर की सुपत्नी

आज की भागदौड़ भरी दुनिया में तनाव हमारे जीवन का एक अभिन्न अंग बन गया है। परिणाम देने, समय सीमा को पूरा करने और सामाजिक अपेक्षाओं को बनाए रखने का लगातार दबाव हमारे मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य पर असर डाल सकता है। आर्ट थेरॉपी, एक चिकित्सीय दृष्टिकोण जो उपचार और विकास को बढ़ावा देने के लिए रचनात्मक अभिव्यक्ति का उपयोग करता है, तनाव को प्रबंधित करने और अधिक सफल जीवन जीने के लिए एक शक्तिशाली उपकरण प्रदान करता है।

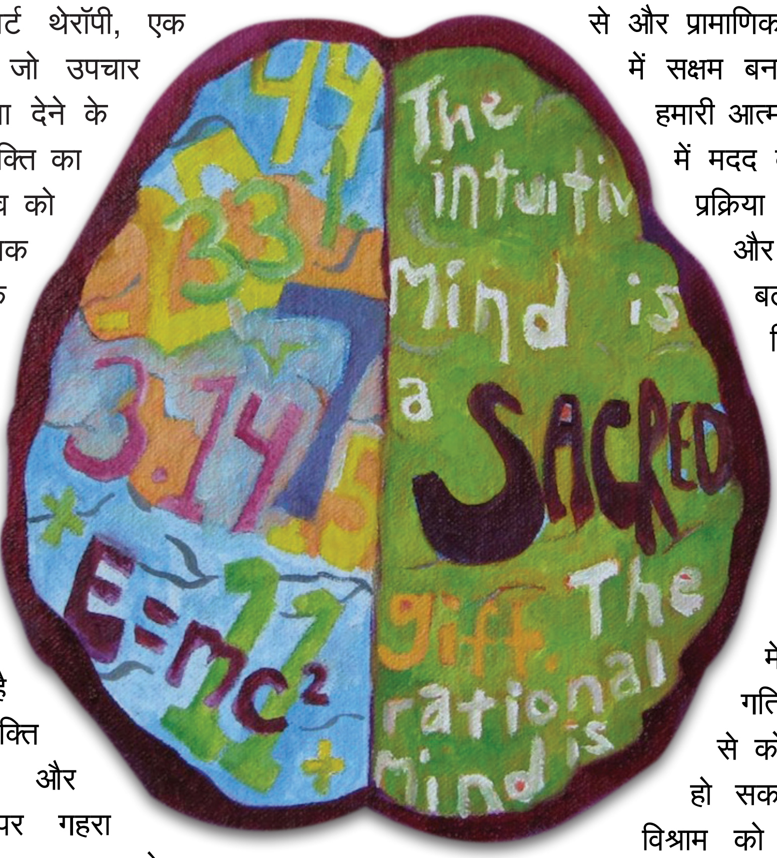
44
33
3.14
5
7
E=mc²
The intuitive Mind is a SACRED gift. The rational mind is

आइए आर्ट थेरॉपी के पीछे के विज्ञान पर नजर डालें। आर्ट थेरॉपी, इस समझ पर आधारित है कि रचनात्मक अभिव्यक्ति हमारे मनोवैज्ञानिक और भावनात्मक स्थिति पर गहरा प्रभाव डाल सकती है। कला बनाने की प्रक्रिया विभिन्न संज्ञानात्मक और भावनात्मक प्रक्रियाओं को शामिल करती है, और हमें निम्नलिखित तरीकों से मदद करती है।यह हमें अपना ध्यान और एकाग्रता बढ़ाने में मदद करती है - कला में संलग्न होने के लिए ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता होती है, जिससे व्यक्ति अस्थायी रूप से चिंताओं और परेशानियों से बच सकता है।यह भावनात्मक अभिव्यक्ति में मदद करता है - आर्ट थेरॉपी,भावनाओं के लिए एक गैर-मौखिक माध्यम प्रदान करती है, जो व्यक्तियों को खुद को स्वतंत्र रूप से और प्रामाणिक रूप से व्यक्त करने में सक्षम बनाती है। आर्ट थेरॉपी, हमारी आत्म-जागरूकता को बढ़ाने में मदद करती है - रचनात्मक प्रक्रिया आत्म-जागरूकता और आत्मनिरीक्षण को बढ़ावा दे सकती है, जिससे व्यक्तियों को उनके विचारों और भावनाओं को बेहतर ढंग से समझने में मदद मिलती है। एक अन्य महत्वपूर्ण लाभ तनाव के स्तर में कमी है - रचनात्मक गतिविधियों में संलग्न होने से कोर्टिसोल का स्तर कम हो सकता है, तनाव हार्मोन, विश्राम को बढ़ावा देता है और चिंता को कम करता है।

आर्ट थेरॉपी से शुरुआत करना और अपने दैनिक जीवन में शामिल करना बहुत आसान है। ऐसा करने के लिए हम नीचे दिए गए चरणों का पालन कर सकते

हैं। अपने लिए कुछ समय अलग रखें - रचनात्मक गतिविधियों के लिए एक विशिष्ट समय समर्पित करें, भले ही वह हर दिन केवल कुछ मिनटों के लिए ही क्यों न हो। हर कोई अपनी भलाई के लिए 10 मिनट निकाल सकता है, इसलिए इस समय को लेकर थोड़ा स्वार्थी बनें। साहसी बनें और विभिन्न माध्यमों के साथ प्रयोग करने का प्रयास करें - पेंटिंग, ड्राइंग, मूर्तिकला, या कोलाज जैसे विभिन्न कला रूपों में अपना हाथ आज़माएं और जानें कि आपके साथ क्या मेल खाता है। कोई गलत प्रयास नहीं हैं, केवल नई सीख है कि आप किसमें अच्छे हैं। बेझिझक अपूर्णता को अपनाएं - कम से कम इन 10 मिनटों में हमें पूर्णता की आवश्यकता को छोड़कर सृजन की प्रक्रिया पर ध्यान केंद्रित करने का प्रयास करना चाहिए। किसी कला समूह या कला कार्यक्रम में शामिल हों- अन्य रचनात्मक व्यक्तियों से मिलें और जुड़ें और उनके अनुभवों से सीखें। हम आम तौर पर अपने दोस्तों और सहकर्मियों के साथ अधिक बातचीत करते हैं, कभी-कभी पूरी तरह से अलग पृष्ठभूमि वाला व्यक्ति हमें अपने बारे में कुछ अनोखी बात या हम जिस समस्या का सामना कर रहे हैं उसे समझने में मदद कर सकता है। आर्ट को "माइंडफुलनेस टूल" के रूप में उपयोग करना शुरू करें - डूडलिंग या कलरिंग जैसी माइंडफुल कला प्रथाओं को अपनी दैनिक दिनचर्या में शामिल करने का प्रयास करें। आर्ट थेरॉपी तनाव प्रबंधन के लिए एक समग्र दृष्टिकोण प्रदान करती है, जो व्यक्तियों को उनकी रचनात्मकता का उपयोग करने और आंतरिक शांति पाने के लिए सशक्त बनाती है। रचनात्मक गतिविधियों में शामिल होकर, आप तनाव को कम कर सकते हैं, अपने मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बना सकते हैं और अधिक संतुष्टिदायक जीवन जी सकते हैं। आइए हम कला को अपने जीवन का हिस्सा बनाएं और अपने जीवन को खुशहाल और तनाव मुक्त बनाएं!

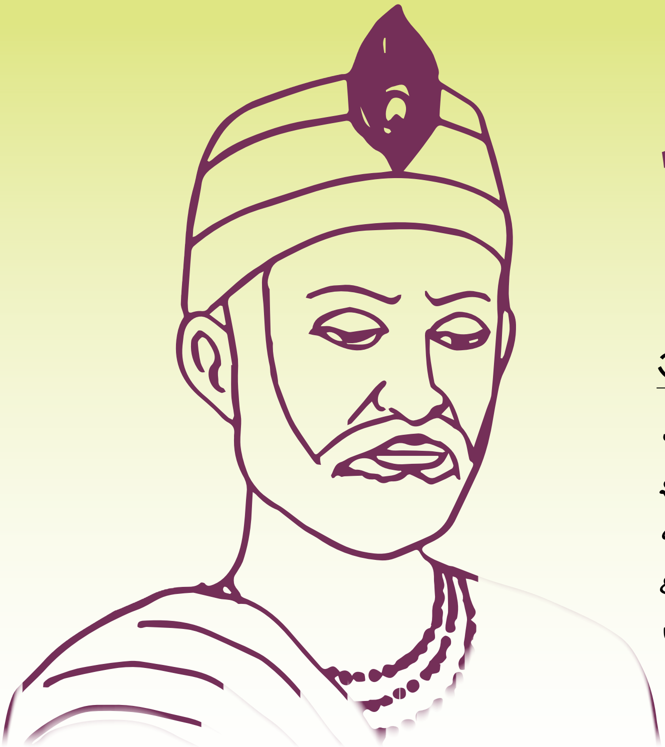

"बड़ा हुआ तो क्या हुआ, जैसे पेड़ खजूर।
पंछी को छाया नहीं, फल लागे अति दूर।।"

अर्थ:

यदि कोई व्यक्ति केवल आकार में बड़ा है लेकिन उसका ज्ञान और व्यवहार दूसरों के काम नहीं आता, तो उसका बड़ा होना व्यर्थ है। जैसे खजूर का पेड़ ऊँचा तो होता है, पर न तो वह किसी को छाया देता है और न ही उसके फल आसानी से मिलते हैं।

शिक्षक

वह प्रकाश जो कभी नहीं बुझता

लेख

अपिला

सहायक

गुरू - एक व्यक्ति के जीवन में बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। शिक्षकों का योगदान ज्ञान प्रदान करने से कहीं अधिक है; वे छात्रों को उनकी पूरी क्षमता तक पहुंचने के लिए प्रेरित, मार्गदर्शन और सशक्त बनाते हैं। हर कोई डॉक्टर, इंजीनियर, वकील, अभिनेता के रूप में काम करने वाले व्यक्ति को जानता है मानता है, लेकिन कोई भी ऐसे शिक्षक को नहीं पहचानता जिसने हमें अपना पेशा चुनने में मार्गदर्शन किया हो। हम अपना अधिकांश बचपन स्कूल में बिताते हैं और हम शिक्षक को अपनी दूसरी मां मानते हैं। वे बहुत प्रेरणादायक होते हैं और हमें एक अच्छा इन्सान बनाने के लिए वे बहुत संघर्ष और कठिनाई से गुज़रते हैं।

सबके लिए एक पसंदीदा शिक्षक होता है जिसे हम अपना आदर्श मानते हैं और उनके मार्ग पर चलने की कोशिश करते हैं। जिस शिक्षक ने मुझे बहुत प्रभावित किया, वह हमारी गणित की शिक्षिका श्रीमती कमला राजशेखर थीं। उनके द्वारा संचालित प्रत्येक कक्षा में शिक्षण के प्रति उनका प्रेम स्पष्ट दिखाई देता था। उन्होंने मेरी सहायता की और विषय के प्रति मेरे डर को दूर करने में मेरी मदद की। उन्होंने कभी किसी छात्र को डांटा नहीं और अगर डांटा भी तो कभी अपनी आवाज़ ऊंची नहीं की और उनकी बात करने का तरीका बहुत प्यारा था। उनमें बहुत सब्र था और वे हर विषय को बार-बार तब तक समझाती थीं जब तक कि सभी समझ न जाएं। उनके पढ़ाने का अपना अनूठा तरीका था और वे अपने छात्रों के सुझावों को पूरे दिल से स्वीकारती थी। उन्होंने कभी भी अपने छात्रों से यह आग्रह नहीं किया कि वे केवल उन्हीं के पढ़ाने के तरीके का पालन करें और किसी भी गणना के लिए वैकल्पिक समाधान स्वीकार करने को तैयार रहती थी और उन्होंने अन्य छात्रों को अनुसरण करने के लिए नई विधि भी समझाई । मैं उनकी बहुत आभारी हूं क्योंकि उनके कारण मैं अपनी 10 वीं कक्षा में अच्छे अंकों से सफल हो पाई।

अब वह हमारे स्कूल से सेवानिवृत्त हो चुकी हैं, लेकिन उन्होंने पढ़ाने के अपने जुनून को नहीं छोड़ा है। वे चेन्नई के एक निजी स्कूल में पढ़ाती हैं। वे एक ऐसी प्यारी औरत हैं जिन्होंने हमेशा मुझे अपनी बेटी की तरह माना है और मुझे प्यार, प्रेरणा और प्रोत्साहन दिया है। वह एक आदर्श उदाहरण हैं कि एक शिक्षक को कैसा होना चाहिए।

शिक्षक समाज की रीढ़ हैं। उनका समर्पण, जुनून और कड़ी मेहनत असीम सम्मान और कृतज्ञता की पात्र है। एक अच्छा शिक्षक एक खज़ाना है जिसे पाने का सपना हर छात्र देखता है।

हाथ और उंगलियों में चोट

हम लगभग हर काम के लिए अपने हाथों का इस्तेमाल करते हैं। उंगली, हाथ या शरीर का कोई अन्य अंग खोना न केवल शारीरिक दर्द का कारण बनता है, बल्कि आजीविका और मानसिक स्वास्थ्य पर भी गंभीर प्रभाव डालता है। हालांकि, कार्यस्थल पर पाए जाने वाले पीपीई का सबसे साधारण रूप हाथ के दस्ताने हैं, लेकिन यह जानना भी महत्वपूर्ण है कि हम हाथ और उंगलियों की चोटों को कैसे रोक सकते हैं।

चुटकी वाले बिंदुओं से सावधान रहें, उंगलियां बीच में फस सकती हैं

सही काम के लिए उचित उपकरण का उपयोग करें

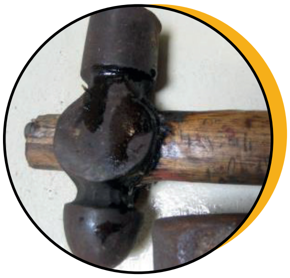
खराब/संशोधित उपकरणों का उपयोग न करें

बिजली उपकरणों से सुरक्षा गार्ड न हटाएं

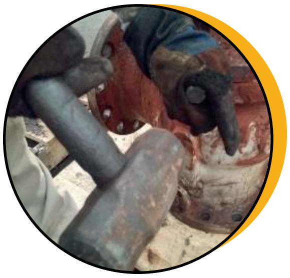
हथौड़ा इस्तेमाल करते समय अपने हाथों का ध्यान रखें

डिस्क बदलने से पहले बिजली उपकरण को विद्युत स्रोत से अलग करें।

यदि आप मिलकर काम कर रहे हैं, तो सुनिश्चित करें कि आपके सहकर्मी को आपके इरादों के बारे में पता हो और गतिविधि को ठीक से संप्रेषित और समन्वित किया गया हो। अच्छे कार्य व्यवहार को विकसित करने से कार्यस्थल पर होने वाली चोटों को रोका जा सकता है।

कविता

बचपन की यादें

" कोचीन शिपयार्ड रिक्रियेशन क्लब द्वारा आयोजित अखिल केरल बाल उत्सव के सिलसिले में कविता लेखन प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार "

सिद्धार्थ अजीष वी के
सेंट मेरी ऑफ लूका सीनियर सेकंडरी स्कूल
पल्लीप्पुरम चेरत्तला आलप्पुषा

यादें जो बचपन की, बस यादें रह गए
मेरा ख्याल अपने आप को एक ख्याल दे गए ।
बीते जो दिन, अब बस यादों में ही,
गया मेरा बचपन अब बस बातें रह गए ।
कैसे हम सब बचपन में मिला करते थे,
रंग बिरंगे फूलों कि तरह खिला करते थे ।
आज वही फूल लगता जैसे मुरझा गए है,
दिन बचपन के शायद अब वापस न आए,
पर तब हम बडे होने का इंतजार करते थे ।
हर शाम हम घर को देर से जाते,
और इसी गलती के कारण
हमारी माता से मार भी खाते ।
फिर जब हमारे कमरे में हम रोते जाते,
तुरंत अपनी माता जी से लाड़ भी खाते।
खिलौने देख कर हम सारा बाजार खरीद लेते,
पर पिताजी कि ओर देख सारे अरमान समेट लेते।
पर पिताजी तो प्यार कम भी नहीं करते थे,
उनके ही कारण हम रात को चैन से तारे गिना करते थे।
पाँच के चिप्स और दस की पेप्सी
सौ की घड़ी और पाँच की पेन लेक्सी ।
यह उस वक्त की शान हमारी,
जब किसी दिन घर दादी आती,
उनके हाथ का खाना था जान हमारी।
घूमते साईकिल पर चाहे दिन हो या रातें।
हमेशा हम थे साथ, चाहे जहां भी जाते।
गीत हमारी दोस्ती का ज़ोरो से गाते,
हमेशा हम कुछ नया बहाना बनाकर
विद्यालय न जाते और घर रह जाते।
मस्ती इतनी करते की हमारी टीचर भी
रहती तंग, उस उम्र में हम रहते मलंग।
जब कोई भी देखता हमारा ढंग,
तभी उसे पता चल जाता हमारे बदमाशी का रंग।
जाते जब टूर पे स्कूल से,
तब लगते हम बडे कूल से।
करना चाहते हम अपने मन की,
पर डर जाते प्रिंसिपल के रूल से।
विद्यालय के अंतिम दिन हमें मिठाई बाँटी गई,
पर हमारी उम्र उसी के साथ बाँधी गई।
लाना था वो दिन वापस पर ला ना हम पाएं
यदि जो ख्याल बचपन की, बस यादें रह गए
मेरा ख्याल अपने आप को एक ख्याल दे गए
बीते जो दिन, अब बस यादों में ही,
गया मेरा बचपन अब बस बातें रह गए।

कोचीन शिपयार्ड
भारत का अभिमान

अश्विनी आयुष सक्सेना
आयुष सक्सेना की सुपत्नी

अरब सागर के तट पर बसा,
कोचीन शिपयार्ड का अद्भुत किस्सा।
जहाँ लहरों से सँवाद होता है,
सपनों का हर आकार साकार होता है।

लोहे और लकडी का संगम जहाँ,
नव निर्माण की गूँज, हर दिशा वहाँ।
जहाँ कारीगरों का हुनर चमकता है,
हर जहाज़ में यहाँ इतिहास झलकता है।

जहाँ उठती हैं उम्मीदों की दीवारें,
वहाँ मेहनत हैं, गढ़ती नही राहें।
जहाँ बनते हैं सागर के सपूत,
वहाँ हर कोना दिखे मजबूत।

भारी जहाज़ युद्धपोत विशाल,
यही होते तैयार, अद्भुत कमाल।
हर कील, हर पटरा करता एक गाथा बयाँ,
जहाँ सपनों को मिला है नया आसमाँ।

तपती धूप और ठंडी बयार,
सब सहते हैं यहाँ के कारीगार।
हथौड़ो की गूँज, चिंगारियों का नृत्य,
हर दिन रचता यहां नया कृत्य।

कोचीन की धरा, कर्मभूमि महान,
जहाँ जज्बा और साहस बने पहचान।
समुद्र की लहरों को जो चीरते हैं।
वो जहाज़ कोचीन के आंगन में खिलते हैं।

गौरवशाली गाथा, अदम्य प्रयास,
कोचीन शिपयार्ड का यह इतिहास।
भारत की शक्ति, निर्माण का मान,
कोचीन शिपयार्ड है, भारत का अभियान।

आगे बढ़ते रहो

क्रिस्टी आंटणी
परियोजना अधिकारी

जब रास्ता कठिन और लंबा लगे,
और तुम बहादुर या मज़बूत महसूस न करो,
यह याद रखो: तुम इतनी दूर आ चुके हो,
किसी भी सितारे की तरह साहस के साथ।

तूफ़ान भड़क सकते हैं, आसमान रो सकता है,
पहाड़ियाँ खड़ी हो सकती हैं, फिर भी तुम कोशिश करते हो।
तुम्हारा उठाया हुआ हर कदम, तुम्हारी खींची हुई हर साँस,
तुम्हें पहले से ज़्यादा करीब ले आती है।

गलतियाँ हो सकती हैं, ठोकरें भी लग सकती हैं,
लेकिन वे तुम्हें और मज़बूत बनाती हैं।
हर गिरावट के लिए, ताकत हासिल करना है,
और सूरज की रोशनी हमेशा बारिश के बाद आती है।

तो वापस खड़े हो जाओ, और अपना रास्ता बनाए रखो,
कल की शुरुआत उसी से होती है जो तुम आज करते हो।
अंदर की लौ हमेशा जलती रहेगी–
मार्गदर्शन करने के लिए एक रोशनी,

बढ़ने के लिए एक बीज।

कविता

समय का सफर

सुजीत एस
सहायक अभियंता

समय, वह अनंत और अविराम संगीत,
जो इस दुनिया में निरंतर गूंजता रहता है।
न कोई विराम, न कोई थमाव,
समय की लय में कोई कमी नहीं।

समय, वह अनंत और अविराम यात्री,
जो इस दुनिया में निरंतर चलती रहती है।
न कोई बाधा, न कोई विराम,
समय की गति में कोई कमी नहीं।

लोक में हर एक चीज़ की गति,
तुम ही संचालित कर रहे हो।
सूर्य,चंद्र, धरती और आकाश,
तुम्हारी गति से ही चलते हैं।

तुम्हारी गति से ही खिलते हैं फूल,
तुम्हारी गति से ही लगते हैं फल।
तुम्हारी गति से ही चलती हैं नदियाँ,
तुम्हारी गति से ही बहती हैं धाराएँ।

तुम्हारी गति से ही उगता है सूर्य,
तुम्हारी गति से ही अस्त होता है दिन।
तुम्हारी गति से ही चलती हैं रातें,
तुम्हारी गति से ही बीतते हैं युग।

तुम्हारी गति से ही जन्म लेते हैं जीव,
तुम्हारी गति से ही होती है मृत्यु।
तुम्हारी गति से ही चलता है जीवन,
तुम्हारी गति से ही मिलती है मुक्ति।

जन्म से मृत्यु तक,
समय के साथ हम चलते हैं।
हर पल, हर क्षण,
समय की महत्ता को दर्शाता है।

प्रेम में समय तेजी से चलता है,
इंतजार में समय हो जाता है धीमा।
खुशियों में समय मुस्कुराता है,
दुख में समय रुलाता है।

समय के साथ जुडकर
जीवन को सफल बनाएं।
समय की कीमत समझें,
समय का करें सही उपयोग।

गीत

शिप्रा मिश्रा
बद्रीश कुमार दिव्य की सुपत्नी

फैल सकूँ उजियाला बनकर ऐसा मुक्त गगन दो।
अँधियारे पिंजरे मे,
कब तक प्रकाश का तोता।
रटे हुए जीवन की बोझिल,
साँस रहेगा ढोता।

बगरा दे हर गंध सुमन की ऐसा मुक्त पवन दो,
फैल सकूँ उजियाला बनकर ऐसा मुक्त गगन दो।

साँचे मे ढलते हुए दिन,
रात प्रहर ये घड़ियाँ ।
साधें सदा जनमती पहने,
चाँदी की हथकड़ियाँ।

जीवन जीने योग्य बने कुछ ऐसा आकर्षण दो,
फैल सकूँ मैं उजियाला बनकर ऐसा मुक्त गगन दो।

हर तृष्णा जहरीली लगती,
हर सपना भी कातर।
हर अंकुर के ऊपर कोई,
आग भरा सौदागर ।

हरियाली की नदियां सूखे कभी न, वह सावन दो,
फैल सकूँ उजियाला बनकर ऐसा मुक्त गगन दो।

फूलों को निर्वासित कर,
कांटे बैठे आसन पर।
प्राणों पर दुःख का पहरा,
ज्यों साँपों का चंदन पर।

चंदन बने तिलक जग का साँपों को निर्वासन दो,
फैल सकूँ उजियाला बनकर ऐसा मुक्त गगन दो।

गज़ल

रुद्राक्षी दिव्य
बद्रीश कुमार दिव्य की सुपुत्री

सोच कर मैं क्या चला था, आ गया किस शहर में,
लोग अपने भी पराए लग रहे इस शहर में।
खोल कर तानी हुई सब छतरियाँ बेकार है,
आग की बरसात होती बंधुओं इस शहर में ।
रशमियों के द्वार आकर बंद किसने कर दिए,
आदमी को आदमी दिखता नहीं इस शहर में।
इस शहर मे चींटियों को मारना भी पाप था
चीटियों-सा आदमी मर रहा इस शहर में।
मौसमों के बदलने की बात झूठी हो गई,
एक ही मौसम टीका है देर तक इस शहर में।
व्यर्थ मे ही साँप है बदनाम डँसने के लिए,
डँस रहा है आदमी को आदमी इस शहर में।

कहानी

जीवन साथी
(मेहबूब)

" कोचीन शिपयार्ड रिक्रियेशन क्लब द्वारा आयोजित अखिल केरल बाल उत्सव के सिलसिले में कहानी लेखन प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार "

दिया नायर
के ई कार्मल सेंट्रल स्कूल,
मुहम्मा, आलप्पुषा

एक सुंदर सा गाँव था। बहती नदियाँ, चिडियों कि चहचहाहट, सुंदर फूल से सब उस गाँव की सुंदरता का कारण था। वहाँ एक छोटे से घर में एक लड़की रहती थी। उसका नाम सीता था। दिखने में वह बहुत सुंदर न थी पर वो पढाई में बहुत अच्छी थी। उसकी कक्षा में उसके जैसे पढने वाला कोई नहीं था। सभी उससे बहुत प्यार करते थे। इतना सब होने पर भी उसके घर की स्थिति उसे परेशान रखता था। उसकी माँ बीमार थी और पापा अकेले घर संभालते थे। उन्हें दिन में एक बार ही खाना मिलता था। इस स्थिति से अपने माता- पिता को बचाने केलिए सीता बहुत परिश्रम करती थी। ऐसे एक दिन जब वो पढने केलिए स्कूल जा रही थी, तब अचानक उसे कोई पीछा करते हुआ मेहसूस हुआ। उसने जब पीछे मुडकर देखा तो एक इंसान ने उसे पकड़ा। उसे वो अच्छा नहीं लगा। वो आदमी उसे फिर परेशान करने लगा। उसने उन्हें छूने से मना किया और वहाँ से भाग गई। जब वो स्कूल पहुँची तो उसे बहुत अस्वस्थ महसूस हुआ। उसने इस विषय के बारे में किसी को भी नहीं बताया। उसे परेशान देखकर अध्यापिका ने उस से कारण पूछा। तब उसने कहा कि बीमारी की वजह से उसे अस्वस्थ महसूस हो रहा है। अध्यापिका ने उसे दवाई दी और चली गई। स्कूल के बाद वो तेज़ी से घर गई। उसने किसी से भी बात नहीं किया। उसे देखकर उसके माता-पिता ने कारण पूछा। उसने इस विषय के बारे में उन्हे नही बताया क्योंकि अगर उसने वो आदमी के बारे में बताया तो उसके माता-पिता डरेंगे और उसे स्कूल जाने केलिए मना करेंगे। इसके डर से उसने उन्हें कुछ नही बताया। जब वो अगले दिन स्कूल जा रही थी तो उस आदमी ने फिर से उसका पीछा किया। उसने उस आदमी से झगडा किया और चली गई। राम ये सब देख रहा था। राम सीता की कक्षा में पढता था और उसे अस्वस्थ देखकर उस ने सोचा कि कल सीता को स्कूल आते हुए देखे ताकि उसके परेशानी की वजह पता चल सके। जब सीता स्कूल पहुँची तो राम ने सीता से पूछा क्या तुम्हें कुछ परेशानी है? तब उसने कुछ नहीं कहा। राम ने उस आदमी के बारे में उससे पूछा, तब वो फफक-फफककर रोने लगी। उसे रोते हुए देखकर राम ने वजह पूछा। तब उसने कहा कि वो आदमी उसे हमेशा परेशान करता है और इसके बारे में वो अपने माता-पिता को नही बता सकती क्योंकि वो उसकी शिक्षा बंद कर देंगे। ये सब सुनकर राम ने उसे गले लगाया और कहा, मैं तुम्हारे साथ हूँ। चाहे कुछ भी हो जाए, कोई भी आए मैं तुम्हारी सभी परेशानियों को दूर करूंगा। ये सुनकर सीता बहुत खुश हुई और उसने राम को गले लगाया। अगले दिन राम उसके साथ स्कूल गया। जब वो आदमी आया तो राम ने उससे कहा “ ये मेरी दोस्त है अगर तुमने इसे एक और बार हाथ लगाया तो मैं तुम्हें जाने नही दूंगा।” ऐसा कहकर राम सीता का हाथ पकड़कर चला गया। इसके बाद सीता के साथ राम हमेशा था। सीता को राम उसका जीवन साथी जैसा महसूस हो रहा था। उस दिन से लेकर अब तक राम सीता की हर एक परेशानी को दूर करता और उसके घर आकर उसके माता-पिता की मदद करता। राम ने सीता की पूरी पढाई का खर्चा उठाया। अब उनकी दोस्ती ऐसा हुआ कि हम कह सकते है कि राम के बिना सीता नहीं और सीता के बिना राम नहीं। जैसे श्रीराम और देवी सीता होती थी उसी प्रकार उनकी दोस्ती भी गहरी थी। सभी लोगों को अपने जीवन के हर पढाव में एक दोस्त होगा। लेकिन भाग्यशाली लोगों को ही अपने हर पढाव में ऐसा एक दोस्त होगा जो उसके दिल के एक टुकडे की तरह हमेशा- हमेशा केलिए रहेगा। सच्चा प्यार या दोस्ती हमेशा रहता है। हमें अपनी दोस्त की सुरक्षा करनी चाहिए ताकि कोई भी बुरा व्यक्ति उसे बुरी तरह न छू सकें।

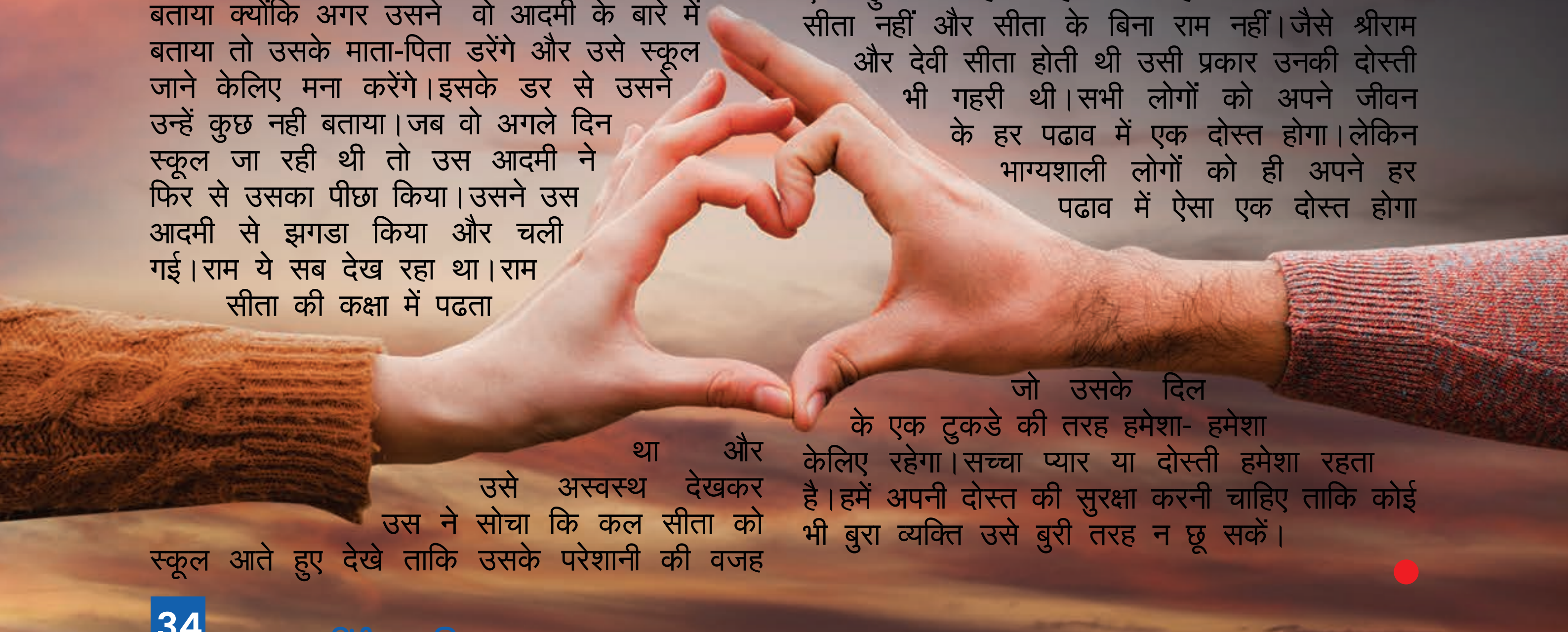

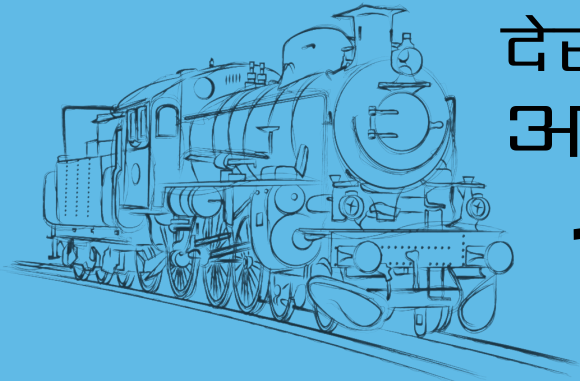

देर से आनेवाली ट्रेन

आर्द्रा अनिल
परियोजना अधिकारी

रिवर्टन नामक व्यस्त शहर में, एक युवा महिला जिसका नाम मिया था, अपनी रचनात्मकता के लिए जानी जाती थी, लेकिन समय पर नहीं आने के लिए भी। वह अक्सर काम पर देर से पहुंचती थी, जिससे महत्वपूर्ण बैठकें और डेडलाइन छूट जाती थीं। उसके बॉस, श्री कार्टर, ने उसे कई बार चेतावनी दी थी, लेकिन मिया हमेशा सुधारने का वादा करती थी।

एक दिन, मिया को एक महत्वपूर्ण सम्मेलन में अपने विचार प्रस्तुत करने के लिए आमंत्रित किया गया। अच्छा प्रभाव डालने के लिए उसने कई अलार्म सेट किए और अपनी यात्रा की योजना बनाई। हालाँकि, सम्मेलन के दिन, वह अपनी प्रस्तुति तैयार करने में समय बिता बैठी और रेलवे स्टेशन की ओर दौड़ पड़ी।

जब वह पहुंची, तो ट्रेन अभी-अभी निकल चुकी थी। हड़बड़ाते हुए उसने अगली ट्रेन का इंतज़ार किया, लेकिन वह भी देरी से आई। जब तक वह सम्मेलन में पहुंची, उसकी प्रस्तुति का समय समाप्त हो चुका था।

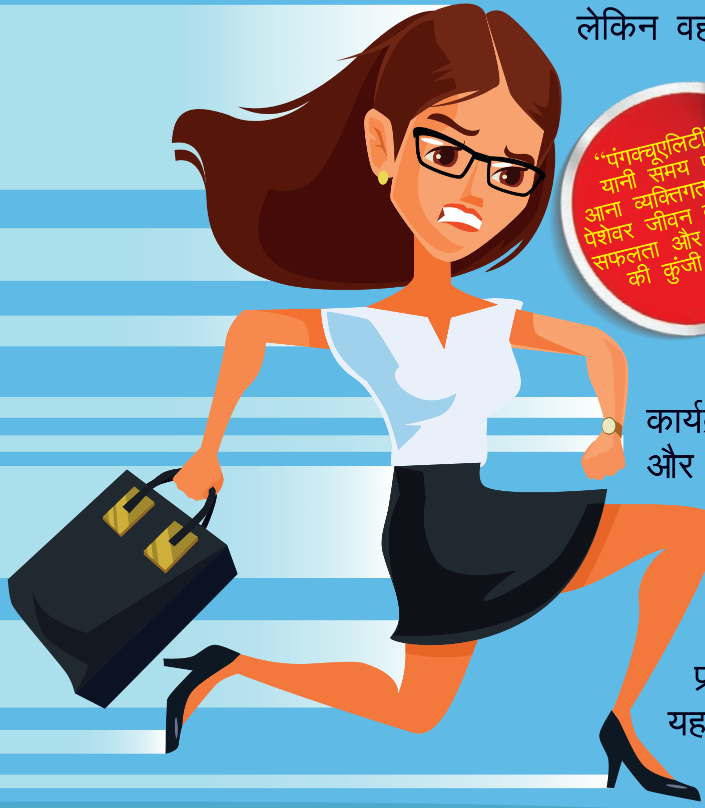

"पंगक्चूएलिटी" यानी समय पर आना व्यक्तिगत और पेशेवर जीवन दोनों में सफलता और सम्मान की कुंजी है।

उदास होकर, मिया ने उस दिन एक महत्वपूर्ण सबक सीखा: "समय किसी का इंतज़ार नहीं करता ।" तबसे उसने समय पर आने को प्राथमिकता देना शुरू किया। उसने अपने कार्यक्रम को बेहतर तरीके से व्यवस्थित किया और हर प्रतिबद्धता के लिए जल्दी पहुंचने लगी।

मिया की समय के प्रति नए नज़रिए ने न केवल उसके करियर में सुधार किया बल्कि उसके सहयोगियों का विश्वास और प्रशंसा भी अर्जित की। इस कहानी का नैतिक यह है कि "पंगक्चूएलिटी" यानी "समय पर आना" व्यक्तिगत और पेशेवर जीवन दोनों में सफलता और सम्मान की कुंजी है।

कटहल का खास व्यंजन

आवश्यक सामग्री

कच्चा कटहल (छिलका उतारकर)	- 500 ग्राम
नारियल	- 1 कप (कद्दूकस किया हुआ)
हरी मिर्च	- 1-2
लहसुन	- 3-4 कलियां
हल्दी पाउडर	- 1चम्मच
लाल मिर्च पाउडर	- 1/2 चम्मच
उरद दाल	- 1 छोटा चम्मच
सरसों के दाने	- ½ छोटा चम्मच
कड़ी पत्ता	- आवश्यकतानुसार
नारियल तेल	- 2 बडे चम्मच
नमक	- आवश्यकतानुसार

विधि

1. कच्चा कटहल, छुटकी भर नमक और ¼ चम्मच हल्दी पाउडर के साथ प्रेशर कूकर में 2-3 सीटी आने तक पकाएं।
2. अतिरिक्त पानी निकाल दें, ठंडा होने के बाद कटहल को हाथ से मसल लें।
3. नारियल मिश्रण तैयार करने केलिए 1 कप नारियल, लहसुन, हरी मिर्च, हल्दी पाउडर और लाल मिर्च डाल कर अच्छी तरह मिक्स करें।
4. मसल किए कटहल के साथ नारियल मिश्रण मिलाएं।
5. एक कडाई में नारियल तेल गर्म करें, इसमें सरसों के दाने, उरद दाल और कडी पत्ता डालकर भूनें।
6. कटहल और मसाले का मिश्रण डालें। धीमी आंच पर इसे ढककर 5-10 मिनट तक पकाएं। बीच - बीच में चलाते रहें ताकि मसाले और कटहल अच्छी तरह मिल जाएं।
7. गैस बंद करें और गरमागरम इसे चावल के साथ परोसें।

श्रीलक्ष्मी एस.एस

विष्णु टी की सुपत्नी

किलिमंजारो की यात्रा

एक एहसास और एक अनुभव

अशोका नंदिनी मोहंती
उप कमांडेंट, सीआईएसएफ

कॉफी पीते पीते एक विचार आया अब क्या, समय व्यतीत हो रहा है उम्र ढलान पर है सीमित समय है और असीमित काम है इसी के बीच मुझे अपना शौक भी पूरा करना है (यात्रा और पर्वतारोहण मेरा पसंदीदा शौक है)। बैठे-बैठे मन में आया क्यों ना पर्वतारोहण के लिए निकल जाए पहली नवंबर है इससे अच्छा दिन कोई हो ही नहीं सकता, तो चला जाए। ये सोचती रही और चार दिन कैसे निकल गया पता ही नहीं चला। आज पाँच नवंबर है।आनन फानन में सब पैकिंग कर। कोच्ची एयरपोर्ट पर पहुंचीं और कोच्ची से सीधा मुंबई। अब सोचने के लिए कुछ भी नहीं बचा था मैं मानसिक रूप से पूरी तरह तैयार थी अपने हौसलों को पंख देने के लिए, फिर क्या था 6 नवंबर को मुंबई से सीधा अबाबा (इथोपिया) और अगले दिन 6 नवंबर 2024 को अदीस अबाबा से किलिमंजारो (तंजानिया) टैक्सी के द्वारा किलिमंजारो से मोशी विलेज पहुंची, वहां होटल पार्क व्यू इन में सफर का एक चरण पूरा होता है, जहां मुझे गाइड जॉन राजबा मिलते हैं। अगले दिन (7 नवंबर 2024) को तैयार होकर मौसी विलेज से 2 घंटे का सफर कर किलिमंजारो नेशनल पार्क गई। वहां पर माउंटेन पेरमिट और कई तरह के फीस देने के बाद मैं अपनी गाइड जॉन के साथ मंदारा हट पहुंचीं, जो कि ट्रॉपिकल रेनफॉरेस्ट को पार करने के बाद 2720 मी यानी की 8858 फीट ऊंचाई पर स्थित है। मंदारा में लगभग 1:00बजे के करीब कुछ समय जलवायु अनुकूलन के लिए एक टेंट में आराम करना पड़ा जो की उन्नत भूमि पर बना था जहां से घाटी स्पष्ट नजर आ रही थी। 9 नवंबर 2024: सफर की शुरुआत मंदारा हट से हारम्बो हट तक तकरीबन दोपहर को मैं समुद्र तल से 12205 फीट यानी की 3720 मी की ऊंचाई पर पहुंच चुकी थी।

> "अब मैं मानसिक रूप से तैयार थी, वातावरण में पुरी तरह से घुल मिल गई थी। जैसे ही मैं माउंट किलिमंजारो की ऊंचाई और ढलानों पर कदम रखा उत्साह और उमंग से लबरेज हो चुकी थी..

हल्की बूंदाबांदी हो रही थी या फिर यूं कहे की यात्रा की शुरुआत रिमझिम बारिश से ही हुई थी, जो निरंतर जारी था वातावरण का पूर्वानुमान शायद ठीक से नहीं लगा पाई थी, लग रहा था जैसे पूरी यात्रा में बारिश और बर्फ का गिरना जारी रहेगा, लेकिन नियति को कुछ और ही इरादा था, वातावरण में अचानक कुछ तब्दीली हुई और बादल गए और सूरज चमकने लगा। यात्रा के लिए यह एक शुभ संकेत था। अब हम (मेरे कुछ सहयोगी और दोस्त) अपना यात्रा जारी रख सकते थे। अब मैं मानसिक रूप से तैयार थी, वातावरण में पुरी तरह से घुल मिल गई थी। जैसे ही मैं माउंट किलिमंजारो की ऊंचाई और ढलानों पर कदम रखा उत्साह और उमंग से लबरेज हो चुकी

किलिमंजारो

थी और सारी घबराहट काफ़ूर हो गई थी। मेरे सहयोगी भी उत्साहित थे। 10 नवंबर 2024 का दिन था। यात्रा जारी था मैं और मेरे सहयोगी मावरजी रिज ट्रैक जिसकी ऊंचाई 14400 फीट थी, यानी की समुद्र तल से 4390 मी पर पहुंच गई थी अब मुझे और मेरे सहयोगियों को वापस ढलान पर चलते हुए हारम्बो हट पहुंचना था, वातावरण अनुकूलन के लिए। अगली सुबह 11 नवंबर 2024 को हम फिर से यात्रा की शुरुआत करते हैं।

> " ऊंचाई बढ़ने के साथ-साथ अब सांस लेने में भी दिक्कत हो रही थी। लेकिन मुझे चलना था, शिथिल कदमों से वातावरण से लड़ते हुए, मैं अपने ही धुन में चले जा रही थी।

मैं काफी उत्साहित थी, लग रहा था अब मंजिल बहुत करीब है फिर भी काफी रास्ता तय करना बाकी था। मौसम साफ होने की वजह से हम सब खुश थे, और निरंतर चले जा रहे थे। सबसे पहले हमें एडवांस कैंप पहुंचना था जो की 4720 मी की ऊंचाई पर स्थित थी यानी की समुद्र तल से 15430 फीट की ऊंचाई पर। मौसम का लुका छुपी जारी था, रुक कर चलना आसान नहीं था इसलिए हमारे कदम नहीं थम रहे थे। मेरे कुछ सहयोगी उदास मन से ही यात्रा को जारी रखे हुए थे। कुछ उदासी के बाद हमें एडवांस कैंप नजर आने लगा था। मैं और मेरे सहयोगी दल खुश थे। आखिरकार कदमताल करते हुए मैं अपने सहयोगियों के साथ एडवांस कैंप पहुंच गई थी। यहां से आगे मुझे मेरी हौसलों की उड़ान को देखना था।

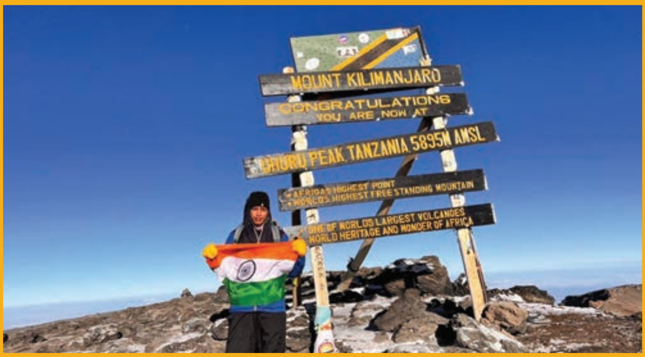
MOUNT KILIMANJARO
CONGRATULATIONS
YOU ARE NOW AT
UHURU PEAK TANZANIA 5895M AMSL
AFRICA'S HIGHEST POINT
WORLD'S HIGHEST FREE STANDING MOUNTAIN
ONE OF WORLD'S LARGEST VOLCANOES
WORLD HERITAGE AND WONDER OF AFRICA

STARTING POINT
MARANGU ROUTE
WISHING YOU A GOOD CLIMB
ov-2024, 11:08

11 नवंबर 2024 को हम रात को 11:00 बजे यात्रा की शुरुआत करते हैं, समिट पुश के लिए। घोर अंधेरे में हमारे कदम ऊंचाइयों को नाप रहे थे, तारों का भी सहारा नहीं था, वातावरण में हड्डी को भी कंपा देने वाली ठंडक थी, फिर भी कदम रुकने का नाम नहीं ले रहे थे। मेरे कुछ सहयोगी एडवांस कैंप में रुक गए थे, शायद थकावट की वजह से या फिर वातावरण के बदलने से घबराहट के द्वारा आगे की यात्रा नहीं करना चाहते थे। शायद यह उनकी नियति थी। ऊंचाई बढ़ने के साथ-साथ अब सांस लेने में भी दिक्कत हो रही थी। लेकिन मुझे चलना था, शिथिल कदमों से वातावरण से लड़ते हुए, मैं अपने ही धुन में चले जा रही थी। मैंने अपने आप से एक वादा किया था मंजिल को जरूर तय करूंगी। अब मैं अपनी सारी अनुभव और प्रशिक्षण का बखूबी इस्तेमाल करते हुए आगे बढ़ रही थी। असीमित ठंड और घनघोर अंधेरे के बीच सारी उम्मीद और आशा के साथ सधे हुए कदमों से आगे की यात्रा जारी था। अंधेरे में थकना मना था एक जज्बा और हौसले के साथ आगे बढ़ रही थी। आखिरकार कदमताल करते हुए मैं 19341 फीट (5895 मी) की ऊंचाई पर उहरु पिक पर सुबह 7:15 बजे 12 नवंबर 2024 को पहुंची। बादलों से ऊपर थी और अनंत आकाश को छू रही थी। लेकिन अवचेतन में शून्य में होने का एहसास था। किलिमंजारो तुझे शत शत नमन, मेरा हौसला बनाए रखने के लिए, निडर भाव देने के लिए और एक स्वप्निल दुनिया में विचरण करने के लिए।

पुरुलिया

बंगाल का असली स्वाद

सौमिता घोष
उप प्रबंधक

पुरुलिया पश्चिम बंगाल का एक जिला है जिसकी सीमा झारखंड से लगती है। पुरुलिया अपनी प्राकृतिक सुंदरता के लिए जाना जाता है और यह कई पहाड़ियों, जंगलों और झरनों का घर है। जिले के कुछ लोकप्रिय पर्यटन स्थलों में अजोध्या पहाड़ियाँ, जॉयचंडी पहाड़, माथा वन और बाघमुंडी शामिल हैं। यह जिला अपनी समृद्ध आदिवासी संस्कृति के लिए भी प्रसिद्ध है और संथाल, मुंडा और हो जैसे कई स्वदेशी समुदायों का घर है।

अपने देहाती आकर्षण और प्राकृतिक परिदृश्य के लिए जाना जाने वाला, पुरुलिया बंगाल की ग्रामीण जीवनशैली का एक उत्कृष्ट स्वाद देता है। लाल मिट्टी वाली सड़कों से सुसज्जित, इसका ऐतिहासिक महत्व भी है जो पूरे क्षेत्र में विभिन्न स्मारकों और भूले-बिसरे मंदिरों के रूप में दिखाई देता है। बहुत से लोग नहीं जानते कि पुरुलिया ने बंगाल के इतिहास और इसकी बेहद समृद्ध आदिवासी संस्कृति को तराशने में भी बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

" गढ़ पंचकोट, जिसका अर्थ है "पांच कुलों का किला"

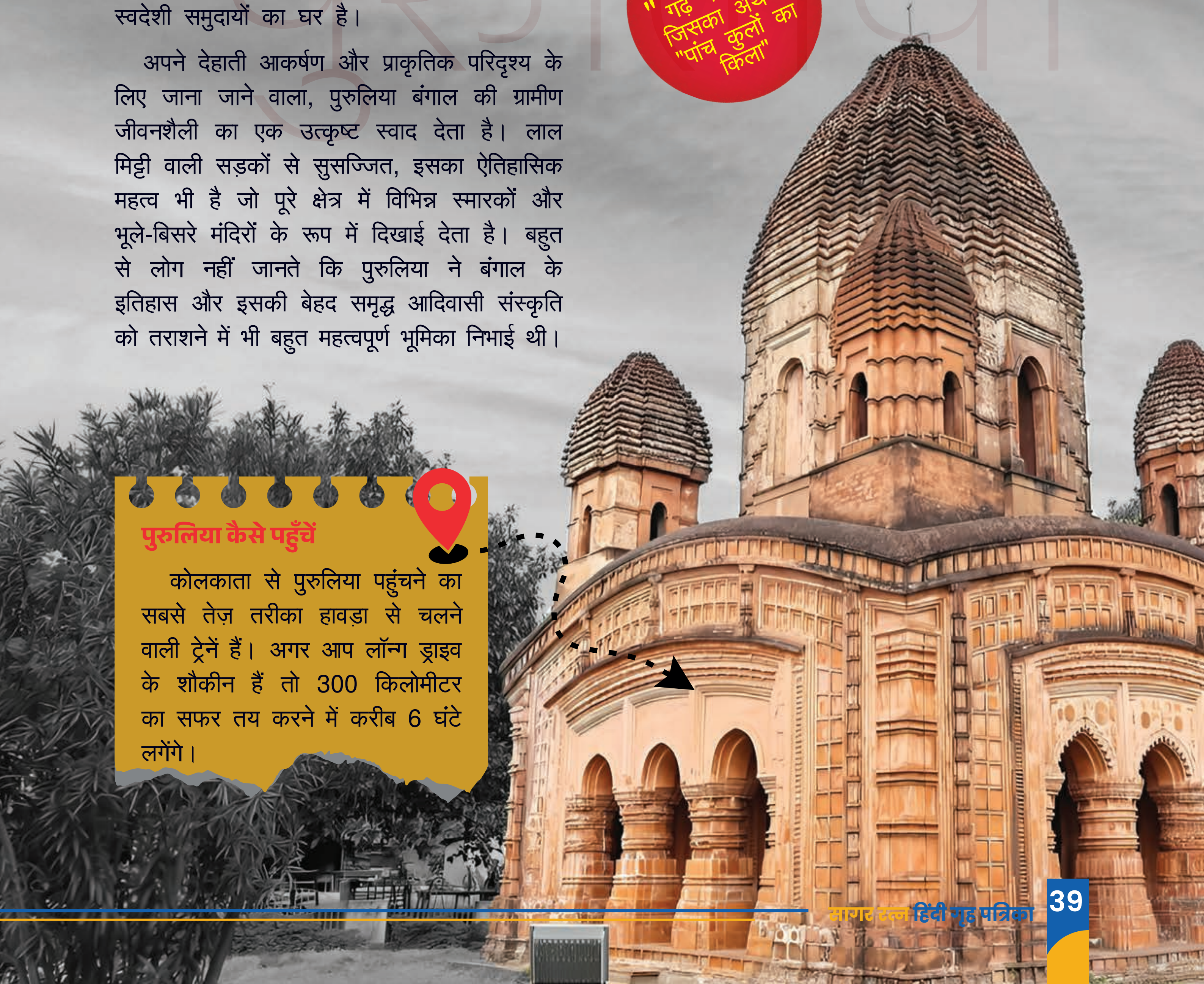

पुरुलिया कैसे पहुँचें

कोलकाता से पुरुलिया पहुंचने का सबसे तेज़ तरीका हावड़ा से चलने वाली ट्रेनें हैं। अगर आप लॉन्ग ड्राइव के शौकीन हैं तो 300 किलोमीटर का सफर तय करने में करीब 6 घंटे लगेंगे।

पुरुलिया घूमने का सबसे अच्छा समय

पुरुलिया में मौसम अपने चरम पर होता है, खासकर गर्मियों और सर्दियों में जब पुरुलिया में तापमान असहनीय हो जाता है। लेकिन यह विविध सुंदरता प्रदान करता है और मौसम के आधार पर परिदृश्यों में परिवर्तन प्रदर्शित करता है। गर्मियों को छोड़कर जब प्रचंड गर्मी होती है, बरसात के मौसम पुरुलिया अपने सबसे अच्छे रूप में बांधों, झरनों को सजाता है। पलाश के लाल फूलों में छिपी प्रकृति के साथ वसंत सबसे अच्छे समय में से एक है।

कहाँ रहा जाए

ठहरने के लिए पुरुलिया में पर्याप्त बजट होटल हैं। हालाँकि, अजोध्या पहाड़ में जो रिसॉर्ट खुले हैं, वह अपने आप में एक सौगात है।

आकर्षण के स्थान

क्योंकि पुरुलिया एक विशाल क्षेत्र है, इसलिए पुरुलिया के प्रत्येक खंड को पूरी तरह से घूमने में लगभग 2-3 यात्राएं लगती हैं। हालाँकि, मैं आकर्षण के कुछ प्रमुख क्षेत्रों को लिखने का प्रयास कर रही हूँ।

अजोध्या पहाड़ियाँ

अजोध्या पहाड़ियाँ दलमा पहाड़ियों का एक हिस्सा और पूर्वी घाट श्रृंखला का एक विस्तारित हिस्सा है। यह युवा पर्वतारोहियों के लिए रॉक क्लाइम्बिंग का बुनियादी पाठ्यक्रम सीखने के लिए एक लोकप्रिय स्थान है। अजोध्या हिल्स तक पहुँचने के लिए दो मार्ग उपलब्ध हैं। एक झालदा के रास्ते और दूसरा सिरकाबाद के रास्ते। मार्च के महीने में, संपर्क मार्गों और आसपास के गांवों सहित पूरी पहाड़ी पलाश के फूलों से लाल रंग में रंग जाती है और ऐसा महसूस होता है जैसे पूरा शहर आग की लपटों में घिर गया हो। यह सुंदरता इतनी मनमोहक है कि इस पर विश्वास करने के लिए इसे देखना ही पड़ेगा।

" पुरुलिया में मौसम अपने चरम पर होता है, खासकर गर्मियों और सर्दियों में जब पुरुलिया में तापमान असहनीय हो जाता है।

बमनी झरना

यह हरे-भरे जंगल से घिरा हुआ एक सुंदर झरना है। यह बाघमुंडी, पुरुलिया में एक लोकप्रिय पिकनिक स्थल है। यह जगह प्रकृति प्रेमियों और रोमांच के शौकीनों के लिए एक बेहतरीन जगह है। झरने तक पहुंचने के लिए प्रवेश द्वार से सुंदर वन पथ के माध्यम से 20-30 मिनट की यात्रा करनी पड़ती है। यह क्षेत्र ऊंचे साल के पेड़ों से घिरा हुआ है और समृद्ध वनस्पति कई प्रकार के पक्षियों का घर है। बरसात के मौसम में इसकी सुंदरता मंत्रमुग्ध कर देने वाली होती है।

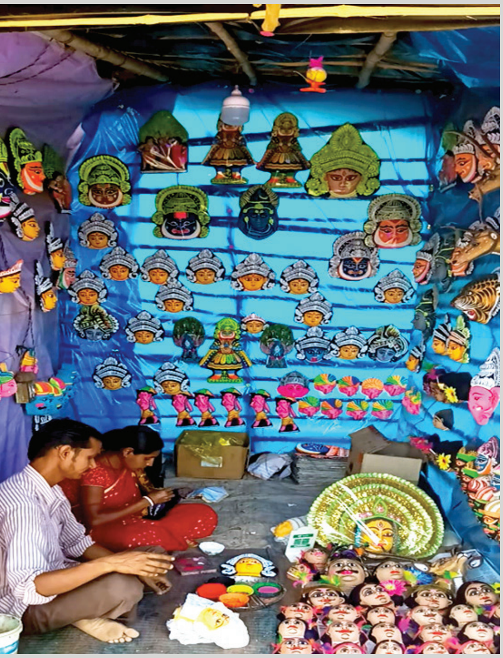

चरिदा गांव पुरुलिया

छऊ नृत्य मुख्य रूप से पश्चिम बंगाल, झारखंड और ओडिशा राज्यों की सीमा से लगे पूर्वी भारत के आदिवासी इलाकों में प्रचलित है। छाऊ मुखौटे; नृत्य के लिए सबसे आवश्यक सहायक सामग्री पुरुलिया क्षेत्र के बागमुंडी ब्लॉक के चारिडा गांव में बनाई जाती है। 500 से अधिक परिवारों वाला पूरा गांव छऊ मुखौटे बनाने के इस उद्यम में लगा हुआ है। मुख्य रूप से सूत्रधार समुदाय द्वारा निर्मित, ये मुखौटे निर्माण की एक विस्तृत प्रक्रिया का पालन करते हैं जो अपने हाथों से कारीगर बनाते हैं।

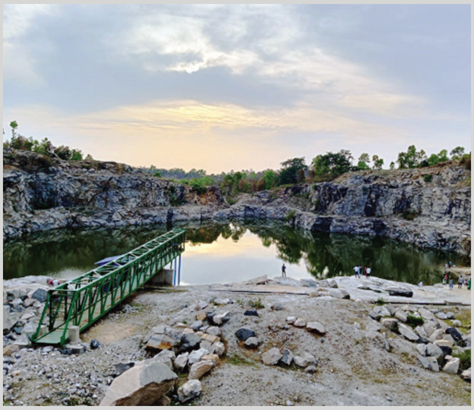

मार्बल लेक

बामनी फॉल्स से कुछ किमी आगे एक जलाशय जिसे मार्बल लेक पुरुलिया के नाम से जाना जाता है देखा जा सकता है। पत्थर की खदान का यह स्थल अब मार्बल झील के शांत जल के उभरने के कारण शांति के एक सुखद नखलिस्तान में तब्दील हो गया है। यहां सूर्यास्त देखना पूरे पुरुलिया क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ में से एक माना जाता है।

गढ़ पंचकोट

गढ़ पंचकोट, जिसका अर्थ है "पांच कुलों का किला", भारत के पूर्वी भाग में पश्चिम बंगाल के पुरुलिया जिले में पंचेत पहाड़ी की तलहटी में स्थित एक खंडहर किला है। पंचकोट पैलेस के खंडहर 18वीं शताब्द के दौरान बरगी हमले के मूक प्रमाण हैं।

यात्रावृत्त

खलबली से पेरिस तक

एक प्रवासगमन अफसाना

सुमी एस
प्रबंधक

यह 28 जून 2024 था, वह दिन जिस का मुझे बेसब्री से इंतज़ार था। मेरा यूरोप यात्रा का सपना आखिरकार सच हो रहा था। कोचीन अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के प्रस्थान द्वार पर खड़े होकर, मैंने माता-पिता और पति को दिल से विदाई दी, जो मुझे छोड़ने आए थे। यह मेरी पहली एकल अंतर्राष्ट्रीय यात्रा थी, और उत्साह और चिंता का मिश्रण साफ तौर पर महसूस हो रहा था।

पासपोर्ट
PASSPORT
सत्यमेव जयते
भारत गणराज्य
REPUBLIC OF INDIA

मैं यात्रियों की कतार में खड़े होकर प्रवासगमन के लिए आगे बढ़ी। जब मेरी बारी आई, तो मैंने अपना पासपोर्ट अधिकारी को सौंपा । उन्होंने पासपोर्ट देखा और मुझसे पूछा, “आप क्या करते हैं?”

“मैंने जवाब दिया, मैं कोचीन शिपयार्ड में प्रबंधक के पद पर काम करती हूँ।”

उनकी भौंहें तन गईं। “प्रबंधक के पद पर?”

“हां” मैंने कहा, यह सोचते हुए कि मेरा पदनाम इतना चौंकाने वाला क्यों लग रहा है।

उन्होंने पूछा, “आपकी योग्यताएं क्या है?”

मैंने कहा, “मैंने एमबीए हासिल की है।”

“एमबीए?” उन्होंने संशयात्मक रूप से दोहराया । उनकी प्रतिक्रिया ने मुझे असहज कर दिया। वे इतना संदेहात्मक क्यों थे?

तभी अचानक एक चौंकाने वाली बात सामने आई, “क्या आप एमबीए की डिग्री होने के बावजूद यह पासपोर्ट लेकर चल रहे हैं?”

मैं हैरान हो गई। मैंने शांत रहने की कोशिश करते हुए पूछा, “क्या कोई समस्या है, सर?”

“कृपया यहां इंतज़ार करें। मुझे अपने उच्च अधिकारियों से बात करना पडेगा,” उन्होंने कहा और मेरा पासपोर्ट लेकर बाहर चले गए।

मैं वहीं ठिठकर खड़ी रही, मेरा दिल बैठा जा रहा था। यूरोप की मेरी बहुप्रत्याशित यात्रा अचानक मेरे हाथों से फिसलती हुई सी लग रही थी। मेरे पीछे कतार में खड़े लोगों की आंखें उत्सुकता और धारना से भरी हुई मुझे घूर रहे थे। ऐसा लगा जैसे मुझ पर कोई गंभीर आरोप लगाया जा रहा हो।

एक लंबी प्रतीक्षा के बाद, मुझे एक अलग कमरे में ले जाया गया। एक महिला अधिकारी मेरे पास आई और मुझसे पूछताछ करने लगी: आप क्यों यात्रा कर रही हैं? आप पेरिस में किससे मिलने जा रही हो? जब मैंने अपनी बहन और उसके परिवार का नाम बताया, तो उन्होंने उनका विवरण मांगा।

तभी एक और अधिकारी आएं, उनके वर्दी पर कई सारे बैज लगे हुए थे। उनके पूछताछ का तरीका बहुत ही कठोर था - एक के बाद एक सवाल पूछे गए, और मुझे जवाब देने का कोई मौका ही नहीं मिला।

“आप पहले कौन से देशों में यात्रा कर चुके हैं? आप अकेले क्यों यात्रा कर रहे हैं? आपने पिछली यात्रा के दौरान मालदीव में केवल चार से पांच दिन क्यों बिताए? इन यात्राओं की योजना किस यात्रा प्रचालक ने बनाई थी? आपने अपना एमबीए कब पूरा किया? आपने कौन से विषय पढ़े हैं?”

मैंने जवाब देने की कोशिश की, लेकिन जल्दी में मैं घबरा गई । मेरा फोन लगातार बज रहा था, मेरे पति और माता-पिता का फोन था, जो इस बात से चिंतित थे कि मैंने सुरक्षा जांच के बाद उन्हें फोन क्यों नहीं किया। मैंने थोड़ी देर रुकने की विनती की और फिर अपने पति को फोन पर स्थिति बताई।

अधिकारी ने फिर से पूछताछ शुरू की और मेरा धैर्य खोने लगा। “मेरे पास मेरा प्रमाणपत्र नहीं हैं, सर। मैं यहां घूमने आई हूं, साक्षात्कार के लिए नहीं। अगर आप मुझे थोड़ा समय दें, तो मैं स्कैन की गई प्रतियां ई-मेल में दिखा सकती हूं”, मैंने दृढ़ता से कहा।

उन्होंने बताया कि मेरे पासपोर्ट पर “ईसीआर” (इमिग्रेशन चेक आवश्यक है) लिखा था, जिसका मतलब था कि मेरे पास 10वीं कक्षा से आगे की योग्यता नहीं है। यह मेरे एमबीए धारक और पीएसयू में प्रबंधक होने के दावे से मेल नहीं खाता। उन्होंने सवाल किया कि मैंने इस मुद्दे को पहले क्यों ठीक नहीं किया, खासकर जब मैं मानव संसाधन में काम कर रही थी।

आखिरकार, मुझे अपने ई-मेल में अपनी एमबीए प्रमाणपत्र की स्कैन की हुई कॉपी मिल गई और मैंने उन्हें दिखा दिया। फिर भी, वे नहीं रुके। उन्होंने पूछा, “क्या आप कोचीन शिपयार्ड में अविनाश (काल्पनिक नाम) नाम के किसी व्यक्ति को जानते हो?”

“हां”, मैंने हैरान होकर जवाब दिया।

“क्या आपके पास उनका कोई संपर्क नंबर है?”

“हां,” मैंने कहा और उन्हें अपने फोन पर अविनाश का संपर्क नंबर दिखाया।

अंत में अधिकारी संतुष्ट दिखे। उन्होंने कहा, “मैं उन्हें व्यक्तिगत रूप से जानता हूं।” “इन बातों की पुष्टि करना मेरी ज़िम्मेदारी है। आपको भारत लौटते ही नॉन _ईसीआर पासपोर्ट के लिए आवेदन करना होगा।

मुझे तसल्ली हुई आखिरकार मुझे विमान में चढ़ने की अनुमति मिल गई। यह अनुभव बहुत ही कष्टदायक था। यात्रा के लिए मेरा उत्साह डर में बदल गया था, लेकिन मैंने यात्रा का आनंद लेने का संकल्प ले ही लिया था।

इस घटना के बाद मैं पेरिस के चार्ल्स डी गॉल एयरपोर्ट पर उतरने तक सब कुछ ठीक-ठीक चलता रहा। कोई और पूछताछ या समस्या नहीं हुई, और मैं अपने सपनों की मंज़िल का आनंद लेने के लिए स्वतंत्र थी।

पीछे मुड़कर देखने पर, सीआईएएल में घटित वह रात लगभग हास्यास्पद लग रहा था, लेकिन तब वह बिलकुल भी हास्यास्पद नहीं था। हालांकि, मैंने जो सबक सीखा है, उसे मैं इस लेख को पढ़ने वाले सभी के साथ साझा करना चाहती हूं: यदि आपने 10 वीं कक्षा उत्तीर्ण की है और आपके पास एसएसएलसी प्रमाणपत्र है, तो अपने पासपोर्ट की जांच करें और सुनिश्चित करें कि यह गैर-ईसीआर के रूप में चिन्हित है। ऐसे पासपोर्ट के लिए किसी विदेशी यात्रा करते समय प्रवासगमन मंजूरी की आवश्यकता नहीं होती है। ऐसी कोई लापरवाही आपके यात्रा अनुभव को बर्बाद न करने दें। प्रवासगमन काउंटर पर जो अधिकारी थे, उनका धन्यवाद । अब, मेरे पास पुराने और नए सहित कुल तीन पासपोर्ट हैं।

टिप्पणियां

1. यदि ऊपर पैरा 1 और 3 में दिए गए सुझावों को अनुमोदित कर दिया गया, तो मसौदा प्रस्तुत कर दिया जाएगा।
   Draft will be put up if the suggestions made in paras 1 and 3 above are approved.

2. अनुमति देना लोकहित के प्रतिकूल होगा।अनुरोध अस्वीकृत किया जाए।
   It would be against public interest to give the permission. The request may be rejected.

3. करार के अनुसार ज़मानत की अवधि पूरी हो चुकी है। ज़मानत लौटा दी जाए। दस्ती रसीद भुगतान केलिए पास कर दी गई है।
   The period of security deposit as per agreement is over. The security deposit may be refunded. The hand receipt has been passed for payment.

4. कृपया इस कार्यालय को मामले की वर्तमान स्थिति की सूचना दी जाए (से अवगत कराया जाए)।
   The present position of the case may please be intimated to this office.

5. बिल के अनुसार मदें अच्छी स्थिति में प्राप्त हुआ है और स्टॉक में ले लिया है।
   The items as per the bill are received in good condition and taken into account.

6. हम आपको अपनी सर्वोत्तम सेवा प्रदान करने का विश्वास दिलाते हैं।
   Assuring you of our best services

7. आगे कोई कार्रवाई अपेक्षित नहीं है। इन कागज़ों को रिकोर्ड कर दिया जाए।
   No further action is called for. These papers may now be recorded.

8. इस निर्णय को पीछे की तारीख से प्रभावी (लागू) नहीं किया जा सकता।
   Retrospective effect cannot be given to this decision

9. भुगतान के संसाधन केलिए संलग्न प्रपत्र में अपने बैंक विवरण सूचित करने हेतु पार्टी से अनुरोध किया जाए।
   The party may be requested to furnish their bank details in the enclosed format for processing payment.

10. दिनांक 30.06.2016 को बकाया अग्रिमों को दर्शाते हुए संलग्न विवरण कृपया देखें। अनुरोध है कि अग्रिमों को अति शीघ्र निपटाएं।
    Please find enclosed statement showing advances outstanding as on 30.06.2016. Request to settle the advances most expeditiously.

11. उम्मीदवार के चरित्र और पूर्ववृत्त की जांच की गई है और उसे संतोषजनक पाया गया है।
    Character and antecedents of the candidate have been verified and found to be satisfactory.

12. ऊपर के सुझावों के आधार पर उत्तर का मसौदा तैयार कीजिए।
    Draft reply on the lines suggested above may be put up.

13. निम्नलिखित पहचान कार्ड / अस्थाई पास रद्द करने केलिए लौटाए जाते है- कृपया पावती दें।
    The following identity cards/ temporary passes are returned herewith for cancellation Please acknowledge receipt.

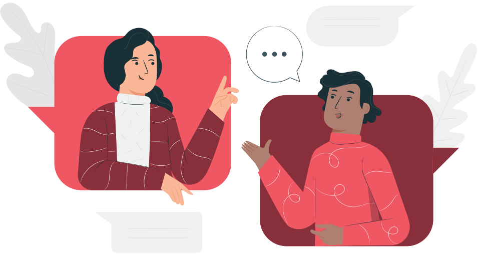

बोलचाल की हिंदी

1	आपसे मिलकर खुशी हुई	Nice to meet you
2	तशरीफ रखिए / कृपया बैठिए	Please have a seat
3	कृपया फिर पधारें	Please visit again
4	क्या आप इससे सहमत हैं	Do you agree with this
5	जल्दी करो	Hurry up
6	मुझे परेशान न करो	Don’t bother me
7	क्या मैं उसे बुलाऊं	Shall I call him /her
8	फिर कभी ऐसा न करना	Never do this again
9	कल मुझे इसकी याद दिलाइए	Remind me of this tomorrow
10	यहां शोर न मचाएं	Don’t make noise here
11	मुझे कोई आपत्ति नहीं	I have no objection
12	मेरी बात का बुरा न मानें	Don’t mind what I said
13	कोई चारा न था	There was no choice
14	मैं तो मज़ाक कर रहा था	I was just joking
15	दूसरों की नकल न करो	Don’t imitate others

चित्र कला

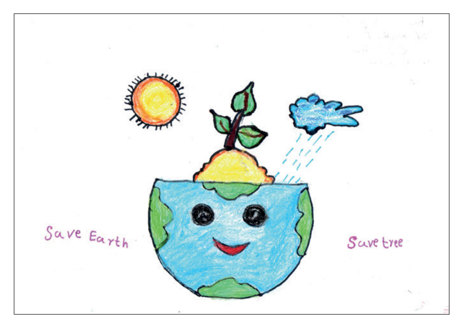
Save Earth
Save tree

केशव एस राघव
नीतू पी का सुपुत्र

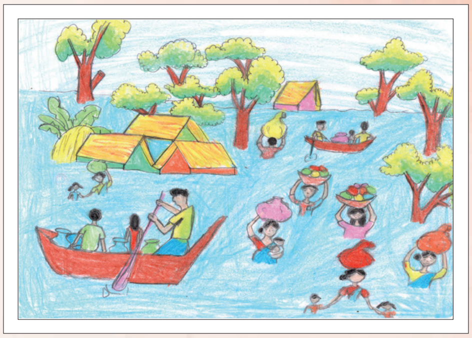

अषिका सुजीत
सुजीत एन पी की सुपुत्री

प्रणव एन
मनोज कुमार एन
का सुपुत्र

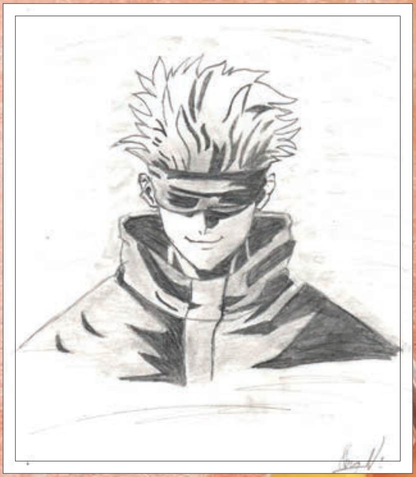

फात्तिमत्तु सुहरा ए वाई
यूसफ ए के की सुपुत्री

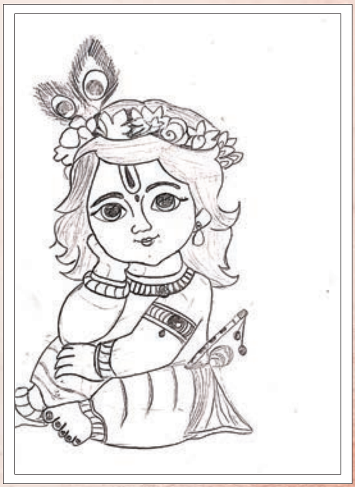

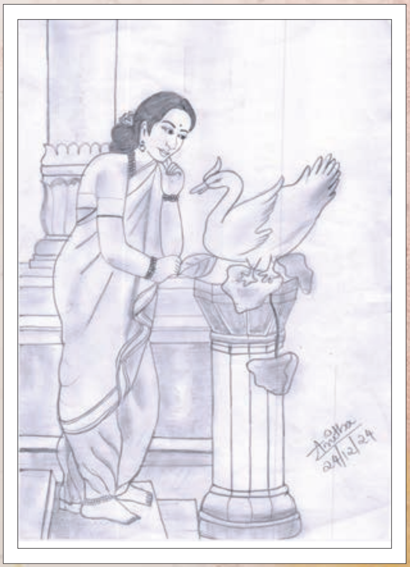

अद्वैत वी सिनोज
बोबिना बोस के ओ
का सुपुत्र

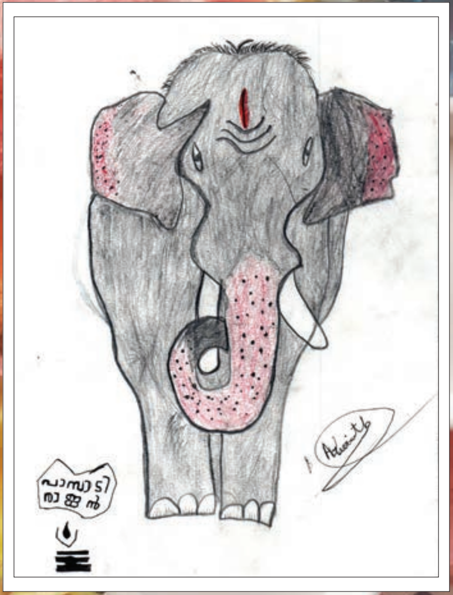

अनिता एस वेंकटेशन
धनेष मेनोन की सुपत्नी

सीएसएल की सीएसआर पहल के तहत एर्णाकुलम के सुभाष बोस पार्क के संरक्षण और अनुरक्षण के प्रति प्रतिबद्धता

Creating Waves of Wellness

COCHIN SHIPYARD
COCHIN SHIPYARD

Designed by [illegible]